केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 119 शनिवार 21 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

हत्या, हत्या के प्रयास में तीन गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। पुरानी बस्ती थाना क्षेत्र के सोनहटी बुजुर्ग गांव में लल्लन विश्वकर्मा की हत्या और हत्या के प्रयास के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल हथियार भी बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक, गांव में गुरुवार को हुई घटना के बाद पुरानी बस्ती थाने में हत्या, हत्या के प्रयास और अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज किया गया था। इसके बाद से पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही थी। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राजेश (22) पुत्र राममूरत, उसकी पत्नी शिवांगी (21) और मोनी (21) पत्नी मुकेश के रूप में हुई है। तीनों सोनहटी बुजुर्ग गांव, थाना पुरानी बस्ती के रहने वाले हैं। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल हथियार बरामद किया गया है।

हार्ट अटैक से युवक की मौत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मोबाइल खरीदने आए युवक की हार्ट अटैक से मौत हो गई। युवक दुकान के काउंटर पर खड़ा था। अचानक उसके सीने में दर्द उठा। वह अपना सीना पकड़कर छटपटाने लगा। कराहते हुए पहले गेट की तरफ गया फिर काउंटर के पास आया। उसे तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना का सीसीटीवी भी सामने आया है। घटना शुक्रवार की जिला मुख्यालय से 30 किलोमीटर दूर गौर थाने की है।

टिनीच के रहने वाले राजू मिश्र (36) शुक्रवार सुबह करीब 9:45 बजे गांधीनगर के रतन मोबाइल शॉप पर मोबाइल खरीदने पहुंचे। वह जिस कंपनी का मोबाइल खरीदना चाहते थे, उसका मॉडल दुकान पर नहीं था। इसके बाद वह दुकान पर ही खड़े होकर सोचने लगे। इसी दौरान अचानक उनके सीने में दर्द होने लगा। वह अपना सीना पकड़कर छटपटाने लगे। दुकानदार और आस–पास के लोग अस्पताल ले गए राजू को अचानक गिरता देख दुकान पर मौजूद लोग घबरा गए। आनन–फानन में उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन भी जिला अस्पताल पहुंच गए।

नदी में छलांग लगाने के बाद किशोर लापता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शुक्रवार दोपहर 16 साल का एक किशोर अमहट पुल से कुआनो नदी में कूद गया। घाट पर मौजूद लोगों ने उसे नदी में छलांग लगाते देखा और पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस को किनारे उसका मोबाइल और ईयरफोन मिला।

कोतवाली थाना क्षेत्र के मड़वा नगर का रहने वाला अल्तमश शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे अमहट घाट पहुंचा था। वहां मौजूद कुछ लोगों ने उसे अचानक नदी में छलांग लगाते देखा। इसके बाद वह पानी में दिखाई नहीं दिया। लोगों ने तत्काल पास की पुलिस चौकी पर पहुंचकर घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और छानबीन शुरू की। घाट के किनारे किशोर का मोबाइल फोन और ईयरफोन मिला।

इसी दौरान किशोर के मोबाइल पर परिजनों के फोन आ रहे थे। पुलिस ने मोबाइल के जरिए उनसे संपर्क किया और घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। किशोर के नदी में कूदने की खबर फैलते ही मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लिया। नदी में उसकी तलाश के लिए आवश्यक तैयारी की जा रही थी। खबर लिखे जाने तक उसका कोई सुराग नहीं मिल सका था।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करने वालों को तबाह कर देंगे, रील नहीं, फ्यूचर स्क्रॉल कीजिए –सीएम योगी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि युवाओं के भविष्य और उनके करियर से खिलवाड़ करने वालों को सरकार बख्शेगी नहीं। ऐसा करने वालों का करियर तबाह कर दिया जाएगा। 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में सरकारी भर्तियों पर मुन्ना भाई और सैफई सिंडिकेट का दबदबा था। नौजवानों की नौकरियों पर डकैती डाली जाती थी, लेकिन अब प्रदेश में पारदर्शी तरीके से तेजी से भर्तियां हो रही हैं। मुख्यमंत्री शुक्रवार को चंपा देवी पार्क में स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के दूसरे चरण के तहत आयोजित टैबलेट वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान गोरखपुर मंडल के 50 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट वितरित किए गए। इनमें गोरखपुर के 35 हजार और देवरिया, कुशीनगर व महराजगंज के पांच–पांच हजार विद्यार्थी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने मंच से 23 विद्यार्थियों को अपने हाथों से टैबलेट दिए।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरकारी नौकरियों को लेकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार में साढ़े नौ वर्षों में करीब पौने दस लाख युवाओं को पारदर्शी तरीके से सरकारी नौकरी मिली है। हालिया भर्तियों का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायती राज, पुलिस और राजस्व विभाग में हजारों युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं। सीएम ने घोषणा की कि 8,000 लेखपालों की भर्ती प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अगले एक सप्ताह में उन्हें नियुक्ति पत्र दिए जाएंगे। वहीं, 32 हजार पुलिसकर्मियों की भर्ती का सत्यापन अंतिम चरण में है। इन्हें नवंबर के अंत या दिसंबर के पहले सप्ताह तक नियुक्ति पत्र मिल सकते हैं। इसके अलावा 42 हजार से अधिक होमगार्डों की भर्ती प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी है। उन्होंने कहा कि नकल माफिया और पेपर लीक करने वालों के खिलाफ सरकार ने सख्त कानून बनाया है। इसमें आजीवन कारावास, एक करोड़ रुपये तक जुर्माना और पैतृक संपत्ति जब्त करने का प्रावधान है। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को तकनीक से जोड़ने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। दूसरे चरण में 25 लाख युवाओं को टैबलेट देने का लक्ष्य है। उन्होंने बताया कि टैबलेट में इंफोसिस के सहयोग से 18 हजार से अधिक मुफ्त कोर्स उपलब्ध कराए गए हैं।

पीएम मोदी कौशल दीक्षांत समारोह में होंगे शामिल, 52 नेशनल टॉपर्स को करेंगे सम्मानित



लखनऊ (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को उत्तर प्रदेश के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह राजधानी लखनऊ में आयोजित पांचवें कौशल दीक्षांत समारोह में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री शाम करीब 5:30 बजे गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान पहुंचेंगे। यहां वह कार्यक्रम को संबोधित भी करेंगे। प्रधानमंत्री के इस दौरे को लेकर राजधानी में तैयारियां की जा रही हैं। कौशल विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले युवाओं को प्रधानमंत्री के हाथों सम्मानित किया जाएगा। इस साल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई), नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (एनएसटीआई) और इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (आईटीओटी) के 52 राष्ट्रीय स्तर के टॉपर्स को उनकी शानदार उपलब्धियों के लिए सम्मान मिलेगा।

गंगोत्री कलश यात्रा का भव्य स्वागत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

हर्रैया (बस्ती)। मां गंगा की पावन धारा और सनातन संस्कृति की आध्यात्मिक चेतना को समेटे गंगोत्री धाम से नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के लिए निकली श्री गंगा कलश यात्रा का शुक्रवार को हाईवे स्थित संसारीपुर चौराहे पर भव्य स्वागत किया गया। समाजसेवी लक्ष्मीकांत ओझा के नेतृत्व में श्रद्धालुओं ने यात्रा के नेतृत्वकर्ता गंगोत्री धाम के रावल शिव प्रकाश का फूल–मालाओं से अभिनंदन किया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच दिव्य गंगा कलश का विधि–विधान से पूजन–अर्चन एवं आरती कर लोककल्याण की कामना की गई।

इस अवसर पर गंगोत्री धाम के रावल शिव प्रकाश महाराज ने कहा कि श्री गंगा कलश यात्रा प्राचीन सनातन वैदिक परंपरा का प्रतीक है। गंगोत्री धाम के कपाट बंद होने के अवसर पर प्रत्येक वर्ष मां गंगा का दिव्य कलश भरा जाता है। यह विश्व का सबसे बड़ा कलश है, जिसकी क्षमता 1100 लीटर से अधिक है। इसी पवित्र गंगाजल से विश्व कल्याण, सुख–शांति और समृद्धि की कामना के साथ पशुपतिनाथ जी का प्रतिदिन जलाभिषेक किया जाता है। उन्होंने बताया कि यात्रा 16 नवंबर को गंगोत्री धाम से प्रारंभ हुई है, जिसका समापन 23 नवंबर को नेपाल की राजधानी काठमांडू स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में जलाभिषेक के साथ होगा। समाजसेवी लक्ष्मीकांत ओझा ने कहा कि गंगोत्री धाम मां गंगा का उद्गम स्थल होने के साथ ही करोड़ों सनातन धर्मावलंबियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। गंगोत्री से आए इस दिव्य कलश का स्पर्श करना भी श्रद्धालुओं के लिए गंगोत्री धाम के दर्शन जैसी अनुभूति प्रदान करता है। मां गंगा के पवित्र जल से भगवान शिव का अभिषेक करना अत्यंत पुण्यकारी है। ऐसी यात्राएं हमारी धार्मिक परंपराओं, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक एकता को मजबूत करती हैं। श्री गंगा कलश यात्रा का स्वागत करने वालों में मुख्य रूप से वरिष्ठ भाजपा नेता राम सिंगार ओझा, कर्ण प्रसाद शुक्ल, शत्रुघ्न ओझा, अम्बिका प्रसाद ओझा, उमाकांत तिवारी, राकेश तिवारी, विदेश्वरी ओझा, प्रभाकर ओझा, नितेश शर्मा, रमाशंकर ओझा, जगदंबा प्रसाद ओझा, कृपा शंकर ओझा, प्रेम शंकर ओझा, संतोष कुमार शुक्ल, राहुल द्विवेदी, विवेक कान्त पाण्डेय, प्रमोद ओझा, अनिल त्रिपाठी, शक्ति शरण उपाध्याय, शिव शंकर शुक्ल, रवीश कुमार मिश्र, अविनाश ओझा सहित अनेक श्रद्धालु एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का 91 वर्ष की उम्र में निधन



भारतीय बस्ती संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मां सावित्री देवी का शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले के यमकेश्वर ब्लॉक स्थित अपने पैतृक गांव पंचूर में 91 वर्ष की उम्र में अंतिम सांस ली। बताया जा रहा है कि वह पिछले कुछ दिनों से अस्वस्थ थीं। मुख्यमंत्री के भाई ने उनके निधन की पुष्टि की है। घटना की जानकारी मिलते ही परिवार और गांव में शोक का माहौल है। सावित्री देवी शुक्रवार सुबह करीब 11 बजे अपने आवास पर थीं। वह अपने छोटे बेटे के साथ पंचूर गांव में रहती थीं। उम्र अधिक होने के कारण उन्हें अक्सर स्वास्थ्य संबंधी परेशानियां रहती थीं। इससे पहले मई 2024 में तबीयत बिगड़ने पर उन्हें ऋषिकेश स्थित एम्स में भर्ती कराया गया था। उस समय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मां का हाल जानने अस्पताल पहुंचे थे। शनिवार को सावित्री देवी का पार्थिव शरीर हरिद्वार ले जाया जाएगा, जहां उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। मां के निधन की सूचना मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अंतिम दर्शन के लिए उत्तराखंड पहुंच रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का पैतृक गांव पंचूर उत्तराखंड के पौड़ी गढ़वाल जिले में स्थित है। उनका परिवार आज भी इसी गांव में रहता है। उनके पिता आनंद सिंह बिष्ट का वर्ष 2020 में 89 वर्ष की उम्र में निधन हो गया था। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सावित्री देवी के निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि मां का स्नेह और आशीर्वाद जीवन की अनमोल पूंजी है। उनका जाना परिवार के लिए अपूरणीय क्षति है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने भी शोक जताते हुए कहा कि मां को खोने का दुख शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

यूपी एग्रीज प्रोजेक्ट की बदइंतजामी: प्रदर्शन के लिए चयनित 21 गांवों के किसानों को अब तक नहीं मिला गेहूं का बीज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, (बस्ती)। किसानों की आय बढ़ाने और खेती की उत्पादकता में सुधार लाने के उद्देश्य से संचालित सरकार की महत्वाकांक्षी यूपी एग्रीज परियोजना कुदरहा ब्लाक में कृषि विभाग की लापरवाही और उदासीनता की भेंट चढ़ती नजर आ रही है। रबी फसल की बुवाई का महत्वपूर्ण समय बीतने को है, लेकिन प्रदर्शन के लिए चयनित गांवों के किसानों को अब तक निःशुल्क गेहूं का बीज उपलब्ध नहीं कराया जा सका है। नतीजतन, आर्थिक रूप से कमजोर किसान बीज के इंतजार में खेतों की सिंचाई कराकर बैठे हैं, जबकि अधिकांश किसान बाजार अथवा कृषि विभाग के गोदाम से अपने खर्च पर गेहूं का बीज खरीदकर बुवाई करने को मजबूर हैं। सरकार की योजना का लाभ समय से किसानों तक न पहुंचने से विभागीय कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। कुदरहा ब्लाक के कोरमा, पाऊं, चकदहा, धन्हवा मुडियारी, चरकैला, सिसई पंडित, कोप, तुरकौलिया, डेकरी, विशेनपुर, गौरा रोवारी, रघछपुर, बरतनिया, प्यारेपुर, गायघाट सहित कुल 21 गांवों को प्रदर्शन के लिए चयनित किया गया है। इन गांवों के लगभग 3000 किसानों का सर्वे भी कराया जा चुका है। योजना के तहत पात्र किसानों को रबी फसल की बुवाई के लिए निःशुल्क बीज उपलब्ध कराया जाना है। इसके बावजूद वितरण प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो पाई है।



किसानों के लगातार दबाव और आक्रोश के बाद कुदरहा ब्लाक के करीब आठ किसानों को जिला मुख्यालय पर बीज उपलब्ध कराया गया। वहीं, प्रदर्शन के लिए चयनित गांवों के किसानों के लिए आवंटित गेहूं का लगभग 250 क्विंटल बीज 18 नवंबर को कुदरहा ब्लाक स्थित अस्थायी गोदाम पर पहुंच गया। इसके बावजूद अधिकारियों के स्तर पर सुस्ती और अन्य औपचारिकताओं को लेकर चल रही कवायद के कारण तीन दिन बीत जाने के बाद भी बीज वितरण शुरू नहीं हो सका है। किसान गोदाम का चक्कर लगाने के बाद निराश होकर लौटने को मजबूर हैं।

किसानों का कहना है कि बरसात के बाद खेतों में नमी आने पर अधिकांश लोगों ने गेहूं की बुवाई शुरू कर दी थी। लेकिन आर्थिक रूप से कमजोर किसान बीज उपलब्ध न होने के कारण बुवाई नहीं कर सके। वे निःशुल्क बीज मिलने की उम्मीद में खेतों की दोबारा सिंचाई कराकर इंतजार करते रहे। अब स्थिति यह है कि खेतों की नमी समाप्त हो रही है। यदि अगले दो दिनों में बुवाई नहीं हुई तो उन्हें दोबारा सिंचाई करानी पड़ेगी। दूसरे के संसाधनों पर निर्भर किसानों के लिए सिंचाई का अतिरिक्त खर्च उठाना भी मुश्किल हो रहा है। किसानों का कहना है कि समय पर बीज नहीं मिलने से न केवल उनकी मेहनत और लागत बढ़ रही है, बल्कि फसल की बुवाई भी प्रभावित हो रही है।

यूपी एग्रीज परियोजना से जुड़े तकनीकी सहायकों के अनुसार, पहले तैयार की गई सूची के आधार पर लगभग 80 प्रतिशत कार्य पूरा किया जा चुका था। लेकिन बाद में अधिकारियों ने पूर्व में चयनित गांवों को निरस्त कर नए गांवों का चयन कर दिया। इसके बाद दोबारा सूची तैयार करने की प्रक्रिया शुरू हुई, जिससे योजना के क्रियान्वयन में अनावश्यक विलंब हुआ। तकनीकी सहायकों ने बताया कि योजना के तहत एक गांव में कम से कम 10 पात्र किसानों का होना आवश्यक है। 200 एकर से अधिक तथा दो हेक्टेयर से कम भूमि वाले किसानों को पात्रता के दायरे में रखा गया है। एक किसान को न्यूनतम 20 किलोग्राम और अधिकतम दो कुंतल तक गेहूं का बीज उपलब्ध कराया जा सकता है। इसके लिए पात्र किसानों की सूची तैयार की जा रही है। उत्तर प्रदेश एग्रीकल्चर ग्रोथ एंड रूरल एंटरप्राइज इकोसिस्टम स्ट्रेंथनिंग (यूपी एग्रीज) परियोजना विश्व बैंक के सहयोग से संचालित छह वर्षीय महत्वाकांक्षी योजना है। इसका उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल और बुंदेलखंड के कुल 28 जिलों में कृषि उत्पादकता बढ़ाना, ग्रामीण उद्यमों को प्रोत्साहित करना और किसानों की आय में वृद्धि करना है। लेकिन कुदरहा ब्लाक में बीज वितरण की स्थिति देखकर योजना के जमीनी क्रियान्वयन पर सवाल उठने लगे हैं। किसानों का कहना है कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें आधुनिक कृषि तकनीक से जोड़ने के लिए करोड़ों रुपये की योजनाएं संचालित कर रही है, लेकिन विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण पात्र किसानों को समय पर लाभ नहीं मिल पा रहा है। यदि इसी तरह योजनाओं का लाभ समय से नहीं मिला तो किसान की आय दोगुनी करने का लक्ष्य कैसे पूरा होगा? किसानों ने जिलाधिकारी कृतिका ज्योत्स्ना और मुख्यमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप कर चयनित गांवों के पात्र किसानों को अविलंब गेहूं का बीज वितरित कराने की मांग की है।

असलहा सटाकर इलेक्ट्रानिक्स व्यापारी का अपहरण, पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहर के प्रमुख इलेक्ट्रानिक्स व्यापारी राजीव पाण्डेय का असलहे के दम पर अपहरण कर लिया गया। यह अपहरण कचेरी के पकौड़ी चौराहे से हुआ। अपहृत व्यापारी को असलहे की बट से काफी पिटाई गई, उनकी हालत गंभीर है। अपहृत व्यापारी करीब चार घंटे तक बदमाशों के चंगुल में रहे। वह चलती कार से उस समय कूद गए जब बदमाश उनको जलाने की नीयत से गाड़ी से उतर गए थे और गाड़ी में केवल चालक सवार था। सूचना पर एसपी, सीओ, कोतवाली व अन्य थानों की पुलिस पहुंची। कोतवाली पुलिस ने एक नामजद सहित पांच बदमाशों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी, स्वाट, सर्विलांस, कोतवाली व अन्य टीमों को लगाया गया है।

राजीव पाण्डेय निवासी भैसहिया थाना कोतवाली की कंपनी बाग स्थित प्रभा इलेक्ट्रानिक्स के नाम से कम्प्यूटर व इलेट्रानिक पार्ट्स की दुकान है। एक अन्य व्यक्ति ने अपना रुपया देने के लिए राजीव पाण्डेय को कहा था। उस व्यक्ति ने गुरुवार को दोपहर कुछ रुपया भी लाकर दिया। गुरुवार शाम को रुपया देने के बात कहते हुए करीब साढ़े छह बजे जिला जज न्यायालय के पहले गेट पर स्थित पकौड़ी चौराहे पर बुलाया। यहां पर रुपया गिनने के नाम पर गाड़ी में बैठने के लिए कहा। जब राजीव पाण्डेय गाड़ी में बैठे तो उसमें चालक समेत कुल पांच लोग बैठ गए। असलहे के दम पर उन्हें कार कर लिया।

बताते हैं कि उन्हें अपहृत कर नगर व कलवारी रोड पर लेकर गए। अकरहा टोल प्लाजा को भी क्रास किया। इस दौरान लगातार राजीव पाण्डेय के चेहरे पर लगातार वार करते रहे। बदमाशों का प्रयास था कि उनके सिर व चेहरे पर गंभीर चोट पहुंचाया जाए। इसके चलते चेहरे पर कई गंभीर वार किया गया, जिससे चेहरा विकृत हो जाए और प्रथम दृष्टया पहचान में नहीं आए। बताते हैं कि बदमाशों ने गाड़ी को कलवारी रोड से मोड़ लिया और रुदौली–बांसी रोड पर निकल गए।



बताते हैं कि पिस्टल से पिटाई के दौरान उसकी मैगजीन निकल कर गाड़ी में गिर गई थी। जिसे उन्होंने अपने जूते के मोजे में छिपा लिया था। रात करीब 10 बजे रुदौली थानाक्षेत्र में किसी जगह पर अन्य गाड़ी बुलाकर चार बदमाश उतर गए। गाड़ी में पांच लीटर पेट्रोल रखा हुआ था। बदमाशों ने योजना बनाया कि गाड़ी चालक आगे ले जाकर किसी सूनसान जगह पर पेट्रोल डालकर आग लगा दे। उस राजीव पाण्डेय को इतनी पिटाई किया था कि वह बेहोशी की स्थिति में थे। बदमाशों ने उन्हें मरणासन्न समझ कर आग लगाकर जलाने की योजना बनाया। हालांकि राजीव पाण्डेय होश में थे और स्वयं को बेहोश दिखा रहे थे।

गाड़ी का चालक आगे राजीव पाण्डेय को लेकर आगे बढ़ता रहा। रुदौली थानाक्षेत्र के कोहरा चौराहे पर बने बड़े स्पीड ब्रेकर पर चालक ने गाड़ी को रुलो किया। इस दौरान राजीव पाण्डेय गाड़ी का दरवाजा खोला और चलती गाड़ी से कूद गए। गाड़ी से कूदता देख चौराहे पर मौजूद लोग उनके पास पहुंच गए। चालक गाड़ी लेकर फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने डायल 112 और परिजनों को फोन किया। कारण बदमाशों ने राजीव पाण्डेय को फोन, सोने का कड़ा, अंगूठी, सोने की चेन, पर्स व अन्य सामान छीन लिया था। सूचना पर 112 पुलिस पहुंची। घायल व्यापारी को सीएचसी रुदौली ले गई। हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। सूचना मिलते ही एसपी ओमवीर सिंह, सीओ, रुदौली पुलिस, कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। प्रारंभिक जानकारी लेने के बाद पुलिस की पांच टीमें बदमाशों की तलाश में निकल गईं। जिला अस्पताल में मेडिकल के बाद उन्हें रेफर कर दिया गया। उसके बाद परिजन उन्हें शहर के निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराए हैं। उनकी हालत गंभीर है। सिर व चेहरे पर काफी चोट है। अस्पताल में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस ने एक नामजद सहित पांच के खिलाफ अपहरण का मुकदमा दर्ज कर लिया है। एसपी ओमवीर सिंह ने कहा कि जल्द ही अपहर्ताओं को दबोच लिया जाएगा।

बकाया मानदेय भुगतान के लिए पूर्व प्रेरकों ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। साक्षर भारत मिशन के तहत कार्य कर चुके पूर्व प्रेरकों के लगभग 40 माह के बकाया मानदेय भुगतान का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। वर्षों से अपने मेहनताने की आस लगाए बैठे प्रेरकों ने अब अपने हक की लड़ाई तेज कर दी है। इसी क्रम में साक्षर भारत मिशन प्रेरक वेलफेयर एसोसिएशन जनपद बस्ती के जिलाध्यक्ष कुलदीप चौधरी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में प्रेरक साथियों ने जिला पंचायत अध्यक्ष को ज्ञापन सौंपकर बकाया मानदेय का भुगतान जल्द कराने की मांग की।

ज्ञापन में प्रेरकों ने बताया कि उत्तर प्रदेश में संचालित साक्षर भारत मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में निरक्षर लोगों को साक्षर बनाने की एक महत्वपूर्ण योजना थी। इस योजना के अंतर्गत हजारों प्रेरकों ने पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अपनी सेवाएं दी थीं। लेकिन 31 मार्च 2018 को योजना बंद होने के बाद प्रेरकों का लगभग 28 से 40 माह तक का मानदेय बकाया रह गया। लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण पूर्व प्रेरक और उनके परिवार आर्थिक परेशानियों का सामना कर रहे हैं। प्रेरकों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष ने तत्काल सकारात्मक पहल की। उन्होंने मौके पर ही जिला विद्यालय निरीक्षक से फोन पर वार्ता कर प्रेरकों के बकाया मानदेय का भुगतान एक सप्ताह के अंदर सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। जिला पंचायत अध्यक्ष की इस पहल से वर्षों से भुगतान की प्रतीक्षा कर रहे प्रेरकों में उम्मीद की नई किरण जगी है। ज्ञापन में यह भी मांग की गई कि शासन द्वारा जारी धनराशि का भुगतान सभी पात्र पूर्व प्रेरकों को शीघ्र कराया जाए। इसके साथ ही जिन प्रेरक साथियों की मृत्यु हो चुकी है, उनके बकाया मानदेय का भुगतान नियमानुसार उनके नामित नॉमिनी अथवा वैध उत्तराधिकारी को किया जाए, जिससे दिवंगत प्रेरकों के परिवारों को उनका अधिकार मिल सके। प्रेरकों ने कहा कि उन्होंने सरकार की महत्वाकांक्षी साक्षरता योजना को सफल बनाने के लिए वर्षों तक ग्रामीण क्षेत्रों में मेहनत की। इसके बावजूद उन्हें अपने ही मेहनताने के लिए लंबे समय से इंतजार करना पड़ रहा है। अब जिला पंचायत अध्यक्ष की पहल के बाद उन्हें उम्मीद है कि संबंधित विभाग जल्द ही भुगतान की प्रक्रिया पूरी करेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में साक्षर भारत मिशन के पूर्व प्रेरक एवं एसोसिएशन के सदस्य मौजूद रहे।



दसवीं पुण्यतिथि पर याद किए गए जनकवि बालसोम गौतम

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जनकवि बालसोम गौतम की दसवीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। बालसोम गौतम स्मृति संस्थान की ओर से प्रेस क्लब सभागार में कवि सम्मेलन एवं मुशायरे का आयोजन किया गया। इसमें कवियों और शायरों ने अपनी रचनाओं के माध्यम से उन्हें श्रद्धांजलि दी और उनके साहित्यिक योगदान पर चर्चा की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. वीके वर्मा ने कहा कि बालसोम गौतम का रचना संसार विविधताओं से भरा हुआ था। वे अपने समय के सशक्त साहित्यकार थे। उनकी कविताएं कठिन परिस्थितियों में भी लोगों को साहस और हौसला देती हैं। आयोजक मंडल की ओर से बालसोम गौतम की स्मृति में अंगवस्त्र भेंट कर उनके मित्र देव नारायण चौधरी को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण देव मिश्र ने की, जबकि संचालन विनोद कुमार उपाध्याय हर्षित ने किया। बालसोम गौतम के शिष्य वरिष्ठ कवि डॉ. रामकृष्ण लाल जगमग ने उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अपने गुरु से जुड़े संस्मरण और अनुभव साझा करते हुए कहा कि बालसोम गौतम एक संवेदनशील कवि और रचनाकार थे। उनकी रचनाएं आने वाली पीढ़ियों को भी अंधकार से लड़ने का साहस देती रहेंगी। उन्होंने मन की पीड़ा और खुशी को जिस तरह अपनी कविताओं में स्वर दिया, वह सीधे लोगों के दिलों को छू जाती है। इस दौरान डॉ. अफजल हुसैन अफजल ने अपनी कविता सुनाकर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। उन्होंने अपनी रचना में देशभक्ति का भाव व्यक्त करते हुए कहा, 'पांव सब खींचने लगे मेरा, मेरे पर उड़ान पर आए, माल क्या जान भी लुटा देंगे, बात हिंदुस्तान पर आए।' उनकी रचना को श्रोताओं ने सराहा। कवि तेज प्रकाश शुक्ल, सुशील सिंह पथिक सहित अन्य रचनाकारों ने अपनी कविताएं सुनाकर बालसोम गौतम को श्रद्धांजलि दी। वहीं श्याम प्रकाश शर्मा, सिद्धार्थ सिंह गौतम, सुरेश सिंह गौतम और बटुक नाथ शुक्ल ने भी उनके व्यक्तित्व और साहित्यिक योगदान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे वरिष्ठ पत्रकार कृष्ण देव मिश्र ने बालसोम गौतम के जीवन से जुड़े विभिन्न पहलुओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि बालसोम गौतम की रचनाओं में जीवन को समझने और मुश्किलों से आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है। उनके गीतों को पढ़ने और समझने वाला व्यक्ति जीवन में आने वाली असफलताओं से हार मानना नहीं सीखेगा। कार्यक्रम में उपस्थित साहित्यकारों और गणमान्य लोगों ने बालसोम गौतम के साहित्यिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी रचनाएं लंबे समय तक समाज को सकारात्मक सोच, साहस और संघर्ष की प्रेरणा देती रहेंगी।



"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 21 नवम्बर 2026 शनिवार

सम्पादकीय

फांसी की सजा पर विमर्श

संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तावित मौत की सजा पर दुनिया भर में रोक के खिलाफ भारत का मतदान, इस मंच पर उसके रुख के अनुरूप है। भारत ने मौत की सजा को बनाए रखने का बचाव करते हुए इसे एक संप्रभु फैसला बताया है, जिसे न्यायिक सुरक्षा उपायों का समर्थन हासिल है। इन उपायों में 'दुर्लभतम से दुर्लभ' मामला होने की शर्त और सत्र अदालतों द्वारा दी गई सजा पर हाईकोर्ट की मुहर की जरूरत शामिल है। साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने मृत्युदंड को लगातार सीमित किया है और शोध में ऐसा कोई सबूत नहीं मिला है जिससे यह साबित हो सके कि मौत की सजा, आजीवन कारावास के मुकाबले अपराध रोकने में ज्यादा कारगर है। भारत में न्यायिक फांसी और गैर—न्यायिक हत्याओं के बीच का अंतर कानूनी रूप से तो सही है, लेकिन यह दावा उतना सही नहीं है कि 'उचित कानूनी प्रक्रिया' फांसी का सामना कर रहे लोगों को सुरक्षा प्रदान करती है। भारत में आखिरी बार 2020 में दिल्ली गैंगरेप और हत्या के दोषियों को फांसी दी गई थी। इसके बावजूद, संसद ने 'भारतीय न्याय संहिता' के तहत मौत की सजा वाले अपराधों की संख्या बढ़ा दी है। यह एक किस्म का 'दंडात्मक लोकलुभावनवाद' है, जिसमें सरकार जनता के आक्रोश को शांत करने के लिए ऐसे कदम उठाती है जो राजनीतिक रूप से आकर्षक लगते हैं — खासकर यौन हिंसा के मामलों में। लेकिन, इन कदमों से पुलिस व्यवस्था की कमियों या सजा दिलाने की कम दर जैसी असली समस्याओं का समाधान नहीं होता, जो वास्तव में अपराध रोकने के असर को कमजोर करती हैं। देश में 31 दिसंबर 2025 तक 574 लोग ऐसे थे जिन्हें मौत की सजा सुनाई गई थी। वर्ष 2016 के बाद से यह तादाद सबसे ज्यादा है। इसका कारण निचली अदालत (ट्रायल कोर्ट) के फैसले हैं, जो न्यायिक सुरक्षा उपायों के व्यावहारिक दावों पर सवाल उठाते हैं। न्यायमूर्ति ए.पी. शाह की अध्यक्षता वाले 2015 के विधि आयोग की रिपोर्ट में कहा गया है कि मौत की सजा "संवैधानिक रूप से मान्य किसी भी दंड—संबंधी लक्ष्य को हासिल करने में नाकाम" रहती है। रिपोर्ट में आतंकवाद और युद्ध छेड़ने जैसे अपराधों को छोड़कर, बाकी सभी अपराधों के लिए मौत की सजा को खत्म करने की सिफारिश की गई थी।

दुनिया भर में सिर्फ कुछ ही देश ऐसे हैं जहां लोगों को मौत की सजा दी जा रही है। 'प्रोजेक्ट 39 ए' के अनुसार, भारत में सुप्रीम कोर्ट ने 2016—2025 के बीच मौत की सजा पाए 38 लोगों को रिहा किया। ये लोग औसतन आठ साल तक मौत की सजा के इंतजार में जेल में रहे थे। इनमें से कुछ ने तो दो दशक से भी ज्यादा वक्त तक यह पीड़ा झेली है। इस सजा के लिए कभी गलती न होने की गुंजाइश की जरूरत होती है, जिसे हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली प्रदान नहीं कर सकती। ये सुरक्षा उपाय न तो दोषपूर्ण सबूतों या झूठी गवाही जैसे मामलों में गलत सजा को रोक पाते हैं और न ही सजा का सामना कर रहे लोगों के लिए सक्षम कानूनी मदद तक समान पहुंच सुनिश्चित कर पाते हैं। भारत को औपचारिक रूप से फांसी की सजा पर रोक लगा देनी चाहिए और सजा से जुड़े कानूनों तथा मौत की सजा पाए कैदियों के साथ होने वाले बर्ताव की समीक्षा करनी चाहिए। दूसरी बात, जिन अपराधों में जानबूझकर हत्या नहीं की गई है, उन्हें इस सजा के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। शोध बताते हैं कि जानलेवा न होने वाले अपराधों के लिए बहुत कठोर सजा देने से अपराधी और ज्यादा हिंसक हो सकते हैं। वे गवाहों को भी मार सकते हैं। हमारा मुख्य लक्ष्य कानून से इस प्रथा को पूरी तरह खत्म करना होना चाहिए और साथ ही जांच—पड़ताल, अभियोजन की प्रक्रियाओं और कानूनी सहायता की बेहतर तरीके से सुलभ कराना चाहिए।

जम्मू—कश्मीर में आतंकवादी हमले

जम्मू—कश्मीर में सुरक्षा बलों ने तीन महीनों से जो सुकून कायम कर रखा था उसमें पिछले छह दिनों में हिंसा की ताबड़तोड़ घटनाओं से खलल पड़ गया। बीते 11 नवंबर को, कुलगाम में एक नाके पर तैनात केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कर्मियों पर आतंकी हमला हुआ जिसमें तीन जवान घायल हो गये। 16 नवंबर को, कुलगाम के रिहाड़शी इलाकों में छह दिनों तक चले घेराबंदी—नुमा आतंकवाद—विरोधी अभियान के बाद, एक स्थानीय व्यक्ति मारा गया, जिसके बारे में पुलिस को शक था कि वह चंद दिनों पहले ही आतंकवादी संगठन में शामिल हुआ है। जम्मू के किश्तवाड़ में, जम्मू—कश्मीर पुलिस के दो विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) गोलियों के जख्म के साथ मृत पाये गये, जिसके एक दिन पहले 11 नवंबर को इन्हें एक वन क्षेत्र से लापता बताया गया था। इन एसपीओ की हत्या की परिस्थितियों को लेकर पुलिस और सेना ने होंठ सिल रखे हैं और किन परिस्थितियों में वे मौत के मुंह में पहुंचे, इस पर विरोधाभासी खबरें सामने आ रही हैं। कुलगाम के रिहाड़शी इलाकों में आतंकवाद—विरोधी अभियान ने चिंताएं पैदा कर दी हैं। जम्मू—कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने छह दिनों तक चले इस अभियान को "केवल परायापन और नाराजगी पैदा करने वाली सामूहिक सजा" करार दिया, जबकि नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा कि पूरे—पूरे गांवों को कई दिन लंबी पाबंदियों में रखा गया। साल 2019 से केंद्रशासित प्रदेश बने जम्मू—कश्मीर में, सीमित शक्तियों और पुलिस पर कोई अधिकार न होने के कारण, उमर अब्दुल्ला सरकार खुद को लाचार पाती है। सिर्फ सुरक्षा के लिहाज से बात करें तो आतंकवाद और अलगाववाद के खात्मे की कठोर नीति कारगर रही है कुछ आतंकी हमलों के साथ—साथ आतंकी संगठनों में स्थानीय लोगों की भर्ती में कमी आयी है। पुलिस के मुताबिक, कश्मीर में आतंकी संगठनों में भर्ती होने वाले स्थानीय लोगों की संख्या घटकर एक अंक में या 10 से कम रह गयी है।

फिर भी, आतंकवादी घटनाओं में कमी और सड़कों पर खामोशी को शांति नहीं समझना चाहिए। वर्तमान स्थिति की मांग है कि केंद्र सरकार जम्मू—कश्मीर के सभी हितधारकों तक राजनीतिक रूप से पहुंचे। इसकी शुरुआत राज्य के दर्जे की बहाली से करनी होगी जिसका बार—बार वादा किया गया है। यह मतदाताओं में यह भाव जगायेगा कि विधानसभा चुनाव 2024 में उनकी भारी भागीदारी की बदौलत उनके चुने हुए नेता संस्थाओं को जवाबदेह ठहरा पाएं और वे इस क्षेत्र के हितों की रक्षा के लिए खुलकर काम कर सकें। सुरक्षा एजेंसियों को पाकिस्तान—समर्थित आतंकवाद पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है, लेकिन यह कश्मीर के भीतर लोगों को फिर से मनोवैज्ञानिक जख्म देने की कीमत पर नहीं होना चाहिए। ऐसे ही छोड़ देने पर यह स्थिति बारूद के ढेर में बदल सकती है। राजनीतिक और सुरक्षा प्रक्रियाओं, दोनों के जरिए चंगाई के प्रयास एक—दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि पूरक होने चाहिए। जम्मू—कश्मीर की राजनीतिक जमात को अपना इख्तियार कायम करने देना और सुरक्षा एजेंसियों को चुनौतियों से निपटने के लिए जगह देना, ये दोनों बातें परस्पर विरोधी नहीं हैं।

अनियंत्रित उपभोक्तावाद से उपजा पर्यावरण संकट



—डा. ऋतु सारस्वत—



वर्ष 2025 में प्रकाशित एक अध्ययन में पाया गया कि कम वस्तुओं के साथ और सोच—समझकर उपभोग करने वाली जीवनशैली का संबंध कम पर्यावरणीय प्रभाव और कम कचरा पैदा करने से है। स्पष्ट है कि अपनी आवश्यकताओं को सीमित करना केवल व्यक्तिगत जीवन को सरल बनाने का उपाय नहीं, बल्कि प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में योगदान देने का एक व्यावहारिक रास्ता भी है।

हाल ही में विश्व मौसम विज्ञान संगठन द्वारा जारी 'स्टेट ऑफ द क्लाइमेट अपडेट फॉर कॉप—31' नामक रिपोर्ट ने खुलासा किया है कि जनवरी से सितंबर, 2026 के बीच पृथ्वी का औसत सतही तापमान 19वीं सदी के उत्तरार्ध (1850/1900) में दर्ज औसत तापमान की तुलना में लगभग 1.47 डिग्री सेल्सियस अधिक रहा। इस रिपोर्ट में तापमान की वृद्धि को समझने के लिए 1850 से 1900 के बीच की अवधि को आधार माना गया है, जिसे जलवायु विज्ञान में पूर्व—औद्योगिक संदर्भ अवधि कहा जाता है। वहीं, क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर द्वारा जारी 'विदाउट रैपिड एक्शन, द वर्ल्ड इज हेडिंग टू इरिकेवरेबल ओवरशूट' नामक रिपोर्ट में भी वैश्विक जलवायु प्रयासों की धीमी गति पर चिंता व्यक्त की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, जलवायु परिवर्तन को रोकने के सामूहिक वैश्विक प्रयास लगातार पांचवें वर्ष लगभग ठहर गए हैं। वर्तमान सरकारी नीतियों के आधार पर इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान में 2.7 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने का अनुमान है।

जलवायु परिवर्तन का संकट अब भविष्य की कोई आशंका भर नहीं रह गया है। दुनिया के अलग—अलग हिस्सों में घट रही घटनाएं इस संकट की बढ़ती गंभीरता का संकेत दे रही हैं। जुलाई, 2019 में पश्चिमी यूरोप के कई देशों को अविश्वसनीय रूप से भीषण गर्मी का सामना करना पड़ा। बेल्जियम और नीदरलैंड में तापमान पहली बार 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। फ्रांस में जुलाई की भीषण गर्मी ने जनजीवन की बुरी तरह प्रभावित किया और कई लोगों की मौत का कारण बनी। वहीं, अप्रैल और मई, 2024 में दक्षिणी ब्राजील के रियो ग्रांडे दो सुल राज्य में हुई मूसलाधार बारिश ने विनाशकारी बाढ़ का रूप ले लिया और लाखों लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े।

इन घटनाओं का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों के अंतर्राष्ट्रीय समूह 'वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन' के निष्कर्ष बताते हैं कि मानवीय गतिविधियों के कारण बढ़ रहा जलवायु परिवर्तन ऐसी भीषण गर्मी और अत्यधिक वर्षा की घटनाओं की संभावना तथा तीव्रता को बढ़ा रहा है। मानवीय गतिविधियां जलवायु परिवर्तन को गंभीर रूप से प्रभावित कर रही हैं। इस तथ्य को जलवायु वैज्ञानिक अपने विभिन्न अध्ययनों में लगातार रेखांकित कर रहे हैं। आईपीसीसी की 'जलवायु परिवर्तन 2023 रिपोर्ट' में ऊर्जा के बेतहाशा उपयोग, वनों की निरंतर कटाई और औद्योगिक उत्पादन जैसी मानवीय गतिविधियों को जलवायु परिवर्तन के प्रमुख कारणों के रूप में रेखांकित किया गया है। जलवायु परिवर्तन की जिम्मेदारी केवल सरकारों और नीतिगत व्यवस्थाओं पर डालकर हम अपनी जिम्मेदारी से विमुख नहीं हो सकते। दरअसल, हमारी अपनी गतिविधियां और दैनिक जीवन से जुड़े निर्णय भी इस समस्या को बढ़ाने में योगदान देते हैं। इसलिए हमें उन गतिविधियों पर भी गंभीरता से विचार करना होगा, जिनमें बदलाव करना हमारे अपने हाथ में है।

हमारी इस जिम्मेदारी और व्यक्तिगत भूमिका को समझने के लिए मायरा जे. हर्ड द्वारा संपादित पुस्तक 'कंज्यूमिंग द एनवायरनमेंट' एक महत्वपूर्ण दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है। दरअसल, हमारी रोजमर्रा की खरीदारी, फैशन के बदलते चलन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और अन्य उपभोक्ता वस्तुओं की बढ़ती मांग का संबंध केवल बाजार और हमारी जरूरतों से नहीं है, बल्कि इसका सीधा प्रभाव प्राकृतिक संसाधनों पर भी पड़ता है। किसी वस्तु का पर्यावरण पर प्रभाव केवल उसके उपयोग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके निर्माण के लिए आवश्यक संसाधनों के दोहन से शुरू होकर उसके उपयोग के बाद फेंक दिए जाने तक बना रहता है। पर्यावरणीय संकट पर विचार करते समय यह देखना भी जरूरी है कि हम क्या खरीद रहे हैं, कितनी मात्रा में खरीद रहे हैं और उन वस्तुओं का उपयोग कितने समय तक कर रहे हैं।

मायरा ने उपभोक्तावाद और पर्यावरण के बीच जिस संबंध की ओर ध्यान आकर्षित किया है, उसकी पुष्टि संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की अक्तूबर, 2025 की रिपोर्ट 'ट्रांसफॉर्मिंग द टेक्सटाइल इंडस्ट्री रू एक्सेलरेटिंग एक्शन ऑन रिसोर्स यूज' से भी होती है। रिपोर्ट के अनुसार, कपड़ा उद्योग में हर वर्ष प्राकृतिक जल संसाधनों का उपयोग लगभग 8.6 करोड़ ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूलों में समा सकने वाले पानी के बराबर है। यह उद्योग दुनिया में धरती का तापमान बढ़ाने वाली गैसों के कुल उत्सर्जन में लगभग 8 प्रतिशत योगदान देता है। कपड़ों की बढ़ती मांग और उनके उत्पादन में लगातार हो रही वृद्धि प्राकृतिक संसाधनों पर इस दबाव को और बढ़ा रही है।

उपभोक्तावाद का पर्यावरण पर पड़ने वाला प्रभाव केवल कपड़ा उद्योग तक सीमित नहीं है। हमारे घरों में इस्तेमाल होने वाली छोटी—बड़ी वस्तुओं से लेकर इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और फर्नीचर तक, प्रत्येक वस्तु के निर्माण और उपयोग के पीछे प्राकृतिक संसाधनों के दोहन की एक लंबी प्रक्रिया जुड़ी हुई है। एनी लियोनार्ड ने अपनी पुस्तक 'द स्टोरी ऑफ स्टफ' में हमारी रोजमर्रा की वस्तुओं और पर्यावरण के बीच इसी गहरे संबंध को स्पष्ट किया है। वे लिखती हैं कि हम जिन वस्तुओं का उपयोग करते हैं, उनकी यात्रा धरती से प्राकृतिक संसाधनों को निकालने से शुरू होती है। इसके बाद उनका निर्माण होता है, उन्हें बाजार तक पहुंचाया जाता है, हम उन्हें खरीदते और इस्तेमाल करते हैं और अंततः वे फेंक दी जाती हैं। इस पूरी प्रक्रिया में लगातार प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग होता है और पर्यावरण पर दबाव बढ़ता है।

एनी चेतावनी देती हैं कि वस्तुओं को जल्दी—जल्दी बदलने और नई वस्तुएं खरीदते रहने की प्रवृत्ति केवल हमारी खरीदारी की आदत नहीं, बल्कि ऐसी उपभोग संस्कृति को बढ़ावा देती है, जो प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन और पर्यावरण पर बढ़ते दबाव को लगातार गहरा करती है। तो क्या विकास और बेहतर जीवन की हमारी आकांक्षा का अर्थ लगातार अधिक वस्तुएं जुटाते जाना ही है? क्या प्रकृति के संरक्षण के लिए हम अपनी आवश्यकताओं और उपभोग की आदतों पर पुनर्विचार नहीं कर सकते?

वास्तव में, प्रकृति को बचाने का एक महत्वपूर्ण प्रयास यह भी है कि हम अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर करना सीखें। उपभोक्तावादी संस्कृति की अंधी दौड़ पर लगाम लगाना और अनावश्यक उपभोग से स्वयं को दूर रखना पर्यावरणीय संकट को कम करने की दिशा में एक सार्थक कदम हो सकता है। दुनिया के कुछ समाजों में विकसित न्यूनतम वस्तुओं के साथ जीवन जीने की जीवनशैली इसी विचार को व्यवहार में उतारने का मार्ग दिखाती है।

जापान की न्यूनतमवाद की जीवनशैली इस विचार को व्यवहार में उतारने का एक उल्लेखनीय उदाहरण है। जापानी लेखक फुमियो सासाकी ने अपनी पुस्तक 'गुडबाय, थिंग्स रू द न्यू जापानी मिनिमलिज्म' में कम वस्तुओं के साथ संतोषपूर्ण जीवन जीने की सोच को सामने रखा है। इस जीवनशैली का आग्रह है कि हम केवल आवश्यकता के अनुरूप वस्तुएं खरीदें, उनका लंबे समय तक उपयोग करें और केवल नया होने या बाजार में प्रचलित होने के कारण पुरानी वस्तुओं को न बदलें। यह सोच पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

आयरलैंड में शुरू हुआ 'लेस बाइंग, मोर बीइंग' का संदेश आज पूरी दुनिया के लिए एक महत्वपूर्ण जीवन—दृष्टि बन सकता है। कम खरीदना, कम उपभोग करना और प्रकृति के साथ संतुलन बनाकर जीना केवल पर्यावरण संरक्षण का मंत्र नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के जीवन को सुरक्षित रखने का संकल्प भी है। यदि हमने अपनी असीमित इच्छाओं और उपभोग की प्रवृत्ति पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया, तो इसकी कीमत केवल हमें ही नहीं, बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को भी चुकानी पड़ेगी।

उन्हें उस पर्यावरणीय संकट और प्राकृतिक संसाधनों के अभाव के बीच जीवन बिताने के लिए विवश होना पड़ सकता है, जिसकी पीड़ा आज हमारी कल्पना से भी परे है।

लेखिका समाजशास्त्री एवं स्तंभकार हैं।

अग्निपथ योजना में बदलाव का सही समय



-पूर्व एडमिरल सत्य प्रकाश-



अग्निपथ योजना लागू होने के चार साल बाद सेवा अवधि बढ़ाने का फैसला एक तरह से इसकी खामियों को स्वीकारना है। इस योजना का असर सैन्य प्रशिक्षण, कौशल निर्माण, यूनिट एकता और युद्ध क्षमता पर पड़ सकता है। एक जांची—परखी भर्ती प्रणाली से छेड़छाड़ की कीमत चुकानी पड़ती है। दरअसल लागत के बजाय युद्धक दक्षता अहम है। पुरानी भर्ती व्यवस्था की बहाली बेहतर कदम होगा।

लागू होने के चार साल बाद, अग्निपथ योजना के समक्ष पहली बड़ी चुनौती बनी, और सरकार ने चुपचाप नीति में बदलाव कर दिया। गत 4 नवंबर को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने अग्निवीरों की सेवा अवधि में दो साल के विस्तार को मंजूरी दे दी। चार साल का अनुबंध पूरा होने के बाद, जो अग्निवीर योग्यता के आधार पर शीर्ष 25 फीसदी में नहीं आ पाएंगे, उन्हें बतौर नियमित सैनिक शामिल होने का एक और मौका मिलेगा। अगर तो यह वास्तव में योजना को वापस लेने की शुरुआत है, तो स्वागतयोग्य है। लेकिन चार साल बाद ऐसा बदलाव होने पर वह सवाल उठता है जिसका उत्तर 2022 में कभी सही नहीं दिया गया था रू सर्वप्रथम, एक समयसिद्ध, सफल व अच्छी तरह स्थापित प्रणाली इतनी जल्दबाजी में क्यों बदली जा रही है? 14 जून, 2022 को प्रेस सूचना ब्यूरो के एक नोट में कहा गया कि इस योजना से 'सशस्त्र बलों का चेहरा युवा रहेगा', 'नया जोश और जज्बा भरेगा' व सेना 'और अधिक तकनीक—कुशल' बनेगी। इसमें देशभक्ति, टीमवर्क, शारीरिक फिटनेस व देश के प्रति निष्ठा जैसे लाभों का भी जिक्र किया गया था।

उक्त 'तर्कों' में से एक भी भर्ती की एक स्थापित प्रणाली, बुनियादी प्रशिक्षण व सैनिकों को चरणबद्ध रूप से शामिल करने की व्यवस्था को ध्वस्त करके, उसकी जगह एक ऐसी योजना लाने को न्यायोचित नहीं ठहराती, जिसे पहले कभी आजमाया नहीं हो और जो मूलतरू त्रुटिपूर्ण है। जिन्होंने भर्ती रैलियां देखी हैं या उनके बारे सुना है, वे जानते हैं कि हमारे देश के युवाओं में जोश—जज्बे की कोई कमी नहीं थी। हजारों की संख्या में सेना में शामिल होने आते हैं। हमारी रेजिमेंटों, युद्धपोतों और स्क्वाड्रनों में नियुक्त फौजियों में देशभक्ति, टीमवर्क और फिटनेस पर कभी कोई सवाल नहीं उठा। साथ ही, 'देश के प्रति वफादारी' पैदा करने का तर्क इतना भी मजबूत नहीं कि इसके लिए कोई ऐसा उपाय किया जाए, जो दीर्घकाल में सशस्त्र बलों के मूल ढांचे पर ही असर डाल दे।

भर्ती की औसत उम्र की घटाना एक अच्छा लक्ष्य लग सकता है, लेकिन उम्र का सीधा संबंध युद्ध लड़ने की क्षमता से नहीं होता। यह क्षमता कौशल से बनती है, और कौशल हासिल करने में समय लगता है। ज्यादातर देहात से आने वाले और हमारी त्रुटिपूर्ण शिक्षा प्रणाली से निकले नए रंगरूटों के लिए चार से छह महीने का बुनियादी प्रशिक्षण नाकाफी है। किसी सैनिक, नाविक या वायुसैनिक को जटिल और महंगे युद्धक उपकरण या हथियार सौंपना या उसको असल युद्ध जैसी स्थितियों में उतारने से पहले, दो—तीन साल का व्यावहारिक एवं काम के दौरान अनुभव पाने हेतु प्रशिक्षित करना अनिवार्य है। हो सकता है कि कोई नया रंगरूट स्मार्टफोन चलाने में माहिर हो, लेकिन रडार, फायर—कंट्रोल सिस्टम, ड्रोन, मिसाइल, एयरो—इंजन या साधारण डीजल जनरेटर कैसे काम करते हैं, यह समझने और एक कुशल 'ऑपरेटर' बनने की महारत के लिए उसे महीनों प्रशिक्षण की जरूरत होगी। ऑपरेटरों के साथ 'मेंटेनर' होते हैं, जो इन प्रणालियों की सर्विसिंग करते हैं और खराबियां ठीक करते हैं। इन्हें प्रशिक्षित होने में और ज्यादा समय लगता है। इन सबके ऊपर 'उस्ताद' होते हैं, जिनका दशकों का अनुभव होता है और ये उस्ताद अधिकारियों सहित सबको सिखाते हैं। साढ़े सत्रह साल की उम्र में भर्ती होने वाले हर सैनिक को सिखाने के लिए, सेनाओं को अनुभवी और युद्ध से तपे सूबेदार मेजर, मास्टर चीफ पेटी ऑफिसर और मास्टर वारंट ऑफिसर की जरूरत होती है, जो 54—56 साल की उम्र में रिटायर होते हैं। अगर आप इस व्यवस्था के साथ छेड़छाड़ करेंगे, तो कहीं न कहीं कीमत चुकानी ही पड़ेगी। इसका उदाहरण नौसेना में देखने को मिला, जिसने 2022 में अपना 'आर्टिफिसर कैडर' खो दिया, वह इकाई जो नौसेना के हथियार, सेंसर और मशीनरी के रखरखाव की आपूर्तिकर्ता होती है।

अग्निपथ योजना के तहत, चार साल के कार्यकाल में से अगर बुनियादी प्रशिक्षण, वार्षिक छुट्टी और सेवामुक्त होने से पहले की अवधि घटा दें, तो एक सैनिक की वास्तविक उपलब्धता लगभग तीन साल ही बचती है। इससे कुछ परेशानीकारक सवाल उठते हैंरू क्या सेना ऐसे व्यक्ति को तकनीकी स्किल सिखाने में निवेश करना चाहेगी,जिसकी नौकरी जल्द ही खत्म होने वाली हो? क्या अग्निवीर खुद भी इन कौशलों को सीखने में दिलचस्पी लेगा, जब उसका आगे बने रहना ही पक्का न हो? योजना के तथाकथित लाभ दोनों ही पक्षों के लिए गलत दिशा की ओर इंगित करते हैं।

सपा—कांग्रेस गठबंधनः सीटों के पेच में उलझती सियासी राह

—अशोक भाटिया—



गठबंधन की इस खींचतान को समझने के लिए दोनों दलों के तर्कों और उनके पीछे के चुनावी आंकड़ों पर नजर डालना आवश्यक है। कांग्रेस का उत्साह मुख्य रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों से उपजा है, जहां सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की थी। उत्तर प्रदेश की सियासी धरती हमेशा से राष्ट्रीय राजनीति की दिशा और दशा तय करती रही है। आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की आहट तेज होने के साथ ही विपक्षी खेमे, विशेषकर इंडियाइ गठबंधन के दो प्रमुख स्तंभोंकृसमाजवादी पार्टी और कांग्रेसकृके बीच सीटों के तालमेल को लेकर हलचल अपने चरम पर है। नई दिल्ली में 17 नवंबर 2026 को दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व के बीच सीट बंटवारे पर होने वाली बहुप्रतीक्षित औपचारिक बैठक का ऐन वक्त पर टल जाना, सियासी गलियारों में कई तरह की अटकलों और चर्चाओं को जन्म दे रहा है। हालांकि, इस स्थगन को केवल टकराव के रूप में देखने के बजाय गठबंधन की आंतरिक जटिलताओं, महत्वाकांक्षाओं के टकराव और चुनावी यथार्थ के बीच संतुलन साधने की एक कठिन कवायद के रूप में समझा जाना चाहिए। बैठक टलने के पीछे भले ही समन्वय समितियों के गठन और प्रारंभिक तैयारी का हवाला दिया गया हो, लेकिन यह स्पष्ट है कि दोनों दलों के बीच सीटों की संख्या और दावेदारी को लेकर अभी तक कोई सर्वमान्य फॉर्मूला नहीं बन पाया है।

इस पूरे घटनाक्रम के केंद्र में कांग्रेस की वह प्रारंभिक सूची है, जिसमें उसने उत्तर प्रदेश की कुल 403 विधानसभा सीटों में से लगभग 181 सीटों पर चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है। कांग्रेस के इस प्रस्ताव ने समाजवादी पार्टी के खेमे में स्वाभाविक रूप से असहजता पैदा कर दी है। सपा नेतृत्व, जो राज्य में मुख्य विपक्षी दल होने के नाते खुद को गठबंधन के स्वड़े भाईश की भूमिका में देखता है, इतनी बड़ी संख्या में सीटें छोड़ने के लिए तैयार नहीं दिख रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों और विभिन्न समाचार माध्यमों की खबरों के अनुसार, समाजवादी पार्टी कांग्रेस को 50 से 80 सीटों के दायरे में ही सीमित रखना चाहती है। सीटों की मांग और पेशकश के बीच का यह विशाल अंतर ही वह मुख्य पेच है, जिसके चलते 17 नवंबर की औपचारिक बैठक को तीन—चार दिनों के लिए आगे बढ़ाना पड़ा। सोनिया गांधी की पुस्तक के विमोचन के अवसर पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ हुई अनौपचारिक बातचीत में यह सहमति बनी कि शीर्ष स्तर पर अंतिम मुहर लगने से पहले दोनों दल अपनी—अपनी समन्वय समितियों के माध्यम से जमीनी हकीकत और दावेदारी का आकलन करें। कांग्रेस ने इसके लिए प्रियंका गांधी वाड्रा, के.सी. वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी राजेंद्र पाल गौतम, प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा और इमरान मसूद जैसे वरिष्ठ नेताओं की पांच सदस्यीय समिति का गठन कर अपनी गंभीरता दर्शाई है।

गठबंधन की इस खींचतान को समझने के लिए दोनों दलों के तर्कों और उनके पीछे के चुनावी आंकड़ों पर नजर डालना आवश्यक है। कांग्रेस का उत्साह मुख्य रूप से 2024 के लोकसभा चुनावों के परिणामों से उपजा है, जहां सपा और कांग्रेस ने मिलकर उत्तर प्रदेश की 80 में से 43 संसदीय सीटों पर जीत दर्ज की थी। उस चुनाव में सपा को 37 और कांग्रेस को 6 सीटें मिली थीं, जिससे विपक्षी गठबंधन को एक नई संजीवनी प्राप्त हुई थी। कांग्रेस का मानना है कि लोकसभा चुनावों के बाद राज्य में उसका जनाधार बढ़ा है और संगठन में नई जान फूंकी गई है। इसी आधार पर कांग्रेस ने पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 67, अवध क्षेत्र की 51 और बुंदेलखंड की 9 सीटों सहित कुल 181 सीटों की सूची तैयार की है। कांग्रेस के रणनीतिकारों का यह भी तर्क है कि यदि 2024 के लोकसभा परिणामों के अनुपात को आधार बनाया जाए, तो भी उसे सम्मानजनक हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। इसके विपरीत, समाजवादी पार्टी के पास 2022 के विधानसभा चुनावों के ठोस आंकड़े हैं, जो कांग्रेस के दावों पर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने अपने दम पर लड़ते हुए महज दो सीटों पर जीत हासिल की थी, उसका वोट प्रतिशत चार फीसदी से भी नीचे (3.84 प्रतिशत) सिमट गया था और उसके अधिकांश उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई थी। इसके अलावा, हाल के वर्षों में हुए विधानसभा उपचुनावों के नतीजों ने भी सपा को यह अहसास कराया है कि जमीनी स्तर पर संगठन की मजबूती और कैडर वोट का हस्तांतरण ही जीत की असली गारंटी है।

अखिलेश यादव ने दिल्ली पहुंचने पर मीडिया से बातचीत में एक अत्यंत महत्वपूर्ण और व्यावहारिक कसौटी का उल्लेख किया हैकृहजिताऊ क्षमताश)। उनका स्पष्ट कहना है कि गठबंधन का मुख्य उद्देश्य अधिक सीटों पर चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए को हराना है, और इसलिए जिस सीट पर जिस दल का उम्मीदवार जीतने की सबसे मजबूत स्थिति में होगा, वही वहां से चुनाव लड़ेगा। राजनीति के व्यावहारिक धरातल पर सपा प्रमुख का यह तर्क अत्यंत वजनदार प्रतीत होता है। गठबंधन की राजनीति में अक्सर यह देखा गया है कि जब कोई सहयोगी दल अपनी वास्तविक संगठनात्मक क्षमता से अधिक सीटों की जिद पकड़ लेता है और कमजोर उम्मीदवार मैदान में उतारता है, तो उसका सीधा लाभ विरोधी खेमे को मिलता है। 2017 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों का कड़वा अनुभव दोनों दलों के सामने एक जीवंत उदाहरण है।

स्वामी विवेकानंद योजना के तहत मिलेगा 3 हजार विद्यार्थियों को टैबलेट

संवाददाता–देवरिया। जिले से करीब 3000 विद्यार्थी शुक्रवार को सुबह आठ बजे 250 बसों से गोरखपुर रवाना हुए। वे स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत टैबलेट वितरण कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम रामगढ़ताल के पास चंपा देवी पार्क में हुआ।

इनमें जिले के कई महाविद्यालयों के चयनित छात्र शामिल थे। गोरखपुर जाने वालों में भटनी स्थित बहादुर यादव मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, मोहम्मद शेर अली मदीना महाविद्यालय, मां सरस्वती बालिका महिला महाविद्यालय सोहनपुर, सदन सेनानी ठाकुर त्रिपाठी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी बढ़िया फुलवरिया, राजेंद्र बाबू विश्वनाथ उत्तर महाविद्यालय बनकटिया, देवता देवी महिला महाविद्यालय बघौचघाट, ललित कॉलेज ऑफ एजुकेशन अहिरौली बघेल और एसके कन्या महाविद्यालय तिलौली के छात्र शामिल रहे। इसके अलावा रामरेखा राव इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी खोरोबारी, सरस्वती देवी यूमेन इंस्टीट्यूट ऑफ हायर एजुकेशन मोना गढ़वा, रमाशंकर कृषक महाविद्यालय और बीआरडी पीजी कॉलेज देवरिया के चयनित विद्यार्थियों को भी बसों से गोरखपुर ले जाया गया।



सदन सेनानी ठाकुर त्रिपाठी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी बढ़िया फुलवरिया, राजेंद्र बाबू विश्वनाथ उत्तर महाविद्यालय बनकटिया, देवता देवी महिला महाविद्यालय बघौचघाट,

कार्यक्रम की तैयारी को लेकर जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने कलेक्ट्रेट सभागार में शासकीय और अर्द्धशासकीय विद्यालयों के प्रधानाचार्यों और संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की थी।

उन्होंने विद्यार्थियों के दस्तावेजों की जांच, बसों की व्यवस्था और कार्यक्रम में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए थे। जिले में रहकर कार्यक्रम का लाइव प्रसारण देखने वाले विद्यार्थियों के लिए भी व्यवस्था करने को कहा गया था।

जिलाधिकारी ने कहा था कि योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को डिजिटल संसाधनों से जोड़ना है। टैबलेट से छात्र ऑनलाइन पढ़ाई की सामग्री और शैक्षणिक संसाधनों का लाभ उठा सकेंगे।

किसानों को नई फसल प्रजातियों की दी गयी जानकारी



संवाददाता–बहराइच। घाघराघाट में 20 नवंबर 2026 को कृषक प्रक्षेत्र दिवस आयोजित किया गया। केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ. महेंद्र सिंह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. महेंद्र सिंह ने किसानों को खेती में नए तरीके, उन्नत कृषि तकनीक, जैविक खेती और संरक्षण कृषि की जानकारी दी।

कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. बंशीधर ने केंद्र की ओर से विकसित प्रजातियों के बारे में बताया। उन्होंने बदलते मौसम के बीच सही प्रजाति चुनने की बात कही, ताकि किसान विपरीत परिस्थितियों में भी अधिक लाभ ले सकें। श्री अशोक कुमार सिंह ने अनुसंधान केंद्र के इतिहास के बारे में बताया। उन्होंने किसानों से समय–समय पर केंद्र आने और वैज्ञानिकों के साथ जुड़कर कृषि अनुसंधान में सहयोग करने की अपील की।

किसानों ने अपने अनुभव और विचार साझा किए। केंद्र की विकसित प्रजातियों को देखने के बाद उन्होंने अगले साल उन खेतों में जलनिधि, जलमग्न और अन्य विकसित प्रजातियां बोने का संकल्प लिया, जहां असमय बारिश और बाढ़ से फसल को नुकसान होता है। कार्यक्रम के अंत में डॉ. महेंद्र सिंह ने किसानों और अन्य आगंतुकों का धन्यवाद किया।

उन्होंने किसानों को खेती में नई तकनीकें अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

प्रसूता की मौत पर डॉ. रेनू पद से हटाई गईं

संवाददाता–कुशीनगर। पडरौना मेडिकल कॉलेज में सामान्य प्रसव के बाद प्रसूता की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग ने कार्रवाई की है। तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट में लापरवाही सामने आने के बाद एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रेनू मिश्रा को पद से हटा दिया गया है।

दो स्टाफ

मामला पडरौना कोतवाली क्षेत्र के जंगल चौरिया निवासी नाजरीन परवीन (25) की मौत से जुड़ा है। उन्हें 11 नवंबर को सुबह करीब 10 बजे प्रसव पीड़ा होने पर मेडिकल कॉलेज के एमसीएच विंग में भर्ती कराया गया था। दोपहर करीब दो बजे सामान्य प्रसव से बच्चे का जन्म हुआ। इसके करीब ढाई घंटे बाद नाजरीन के सीने में तेज दर्द उठा और उनकी हालत बिगड़ने लगी।

परिजनों का आरोप था कि उस समय ड्यूटी रोस्टर के मुताबिक डॉक्टर मौके पर मौजूद नहीं थे। हालत बिगड़ने पर रेफर करने की प्रक्रिया के दौरान महिला की मौत हो गई। नवजात को इलाज के लिए बीआरडी मेडिकल कॉलेज, गोरखपुर भेजा गया था।



घटना के बाद परिजनों ने रात में अस्पताल परिसर में हंगामा कर जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग की थी। कॉलेज प्रशासन ने मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित कर तीन कार्यदिवस में रिपोर्ट मांगी थी। बीच में अवकाश होने के कारण रिपोर्ट नहीं सौंपी जा सकी। गुरुवार को रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की गई। जांच में घटना के दौरान ड्यूटी से अनुपस्थित रहने पर डॉ. रेनू मिश्रा को पद से हटाया गया। दो स्टाफ नर्सों का कार्यक्षेत्र भी बदल दिया गया है।

जांच में सामने आया कि डॉ. पल्लवी ने अपना प्रभार डॉ. प्रभात को सौंपा था, लेकिन वह देर से पहुंचे थे। डॉ. प्रभात की नियुक्ति राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत होने के कारण फिलहाल उन्हें चेतावनी दी गई है। नोट के मुताबिक, सीएचसी प्रभारी को हटाकर डॉ. संदीप को जिम्मेदारी सौंपी गई है। सीएमओ ने कहा कि भविष्य में लापरवाही दोहराए जाने पर संबंधित डॉक्टर और स्टाफ के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर श्याम भक्तों ने निकाली निशान यात्रा

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे में शुक्रवार को खाटू श्याम बाबा के जन्मोत्सव पर भक्ति व उल्लास का वातावरण रहा। श्याम भक्तों ने कस्बे में धूमधाम से निशान यात्रा निकाली। कस्बे के श्रीराम जानकी मंदिर व ठाकुरद्वारा से पूजा–अर्चना के साथ निकाली गई निशान यात्रा में श्याम भक्तों ने अबीर–गुलाल उड़ाए। एक–दूसरे को अबीर लगाकर शुभकामनाएं देते हुए कस्बे के विभिन्न मार्गों से होकर श्री श्याम शक्ति धाम मंदिर पहुंचे। यहां निशान बाबा को अर्पित किया गया। भक्तों ने श्री श्याम बाबा के समक्ष मत्था टेक आशीष प्राप्त किया।कस्बे में स्थित राम जानकी मंदिर से पैदल निशान यात्रा लेकर सैकड़ों महिला एवं पुरुष श्रद्धालु श्री श्याम नाम का जाप करते हुए कस्बे के विभिन्न मार्गों से होकर श्री श्याम शक्ति धाम मंदिर पहुंचे।



मंदिर में श्री श्याम बाबा को निशाना चढ़ाया गया। निशान यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा का गुणगान करते हुए चल रहे थे। महिलाएं भक्ति भाव से गीत गाते हुए चल रही थीं। इस दौरान पूरा कस्बा प्रभु श्याम के जयघोष से गुंजायमान होता रहा। इस दौरान श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष पवन बेरीवाल, दिनेश खेतान, सत्यनारायन अग्रवाल, कमल पोद्दार, मनोज दोचानिया, अनिल तुलस्यान, शिव टिबड़ेवाल, गोपाल खेतान, मनीषा टेबड़ीवाल, सरिता जोशी, इंदु गोयल, माधवी अग्रवाल, जीवन अग्रवाल, दीप्ति बंसल, संध्या अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, नूपुर, अभिषेक जोशी सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

निजी स्कूल के प्रबंधक पर नाबालिग छात्रा से छेड़खानी का आरोप



संवाददाता–कुशीनगर। मामला कप्तानगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का है। छात्रा बोदरवार स्थित राजधारी सेंट्रल एकेडमी में पढ़ती है। आरोप है कि छुट्टी के बाद वह अपनी मां से बात करने के लिए प्रबंधक के कार्यालय पहुंची। प्रबंधक ने फोन पर उसकी मां से बात कराई। परिजनों के मुताबिक, बातचीत के बाद प्रबंधक ने छात्रा से टेस्ट में कम नंबर आने की बात कही। छात्रा ने जवाब दिया कि उसने ठीक से पढ़ाई नहीं की थी, इसलिए नंबर कम आए। आरोप है कि इसके बाद प्रबंधक ने उसके साथ अभद्र व्यवहार और छेड़खानी की।

शिकायत के मुताबिक, आरोपी ने छात्रा के बाल पकड़कर उसे नीचे झुकाने की कोशिश की। छात्रा ने विरोध किया और वहां से निकलकर बाहर भाग गई। परिजनों ने बताया कि छात्रा घटना के बाद घबराई हुई घर पहुंची। उनके मुताबिक, उसके हाथ में जहरीला पदार्थ भी था। परिवार के लोग उसे लेकर कप्तानगंज थाने पहुंचे और थानाध्यक्ष धीरेंद्र राय को लिखित शिकायत दी। उन्होंने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की।

थानाध्यक्ष धीरेंद्र राय ने बताया कि शिकायत के आधार पर पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अपर निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य और परिवार कल्याण ने बैतालपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया

संवाददाता–देवरिया। दोपहर करीब एक बजे पहुंचे अपर निदेशक ने मरीजों को मिल रही सुविधाओं, दवाओं की उपलब्धता, बायोमेट्रिक हाजिरी और जननी सुरक्षा योजना के भुगतान की स्थिति देखी। पुराने भवन की हालत देखकर उन्होंने नाराजगी जताई और व्यवस्थाओं में सुधार के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि जननी सुरक्षा योजना (जेएसवाई) के तहत अब तक 85 से 88 प्रतिशत लाभार्थियों को भुगतान किया जा चुका है। इस पर अपर निदेशक ने शेष लाभार्थियों को भी समय से धनराशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, ताकि किसी को परेशानी न हो।



सीएचसी में दवाओं की उपलब्धता संतोषजनक मिली। हालांकि, पोर्टल पर दवाओं की खपत और वितरण से जुड़ी जानकारी नियमित रूप से अपडेट नहीं की जा रही थी। इस पर उन्होंने कर्मचारियों को फटकार लगाते हुए सभी विवरण समय से दर्ज करने को कहा। अपर निदेशक ने सीएचसी और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी) में बायोमेट्रिक हाजिरी की व्यवस्था के बारे में भी जानकारी ली।

उन्होंने स्वास्थ्यकर्मियों को समय से उपस्थिति दर्ज करने और मरीजों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए। इसके बाद दोपहर करीब दो बजे बृजेश प्रसाद अग्रवाल सीएमओ कार्यालय पहुंचे। सीएमओ न्यायालय के काम से बाहर थे, इसलिए उन्होंने प्रभारी सीएमओ के साथ बैठक कर विभागीय व्यवस्थाओं की समीक्षा की।

इस दौरान जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ. राजेश समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

यमराज ने संभाली जागरूकता की कमान, पूछा–यमलोक जाने की क्यों है जल्दी ?

संवाददाता–महराजगंज। सड़क पर बिना हेलमेट बाइक लेकर निकले हैं तो जरा ठहरिए। यमराज आपसे पूछ सकते हैं– यमलोक जाने की इतनी जल्दी क्यों है? परिवार में कोई आपका इंतजार करने वाला नहीं है? नगर के प्रमुख चौराहों पर शुक्रवार को कुछ ऐसा ही नजारा देखने को मिला। यातायात पुलिस के जागरूकता अभियान में यमराज व चित्रगुप्त के वेश में पहुंचे दो होमगार्ड आकर्षण का केंद्र बने रहे। हाथ में गदा लिए यमराज बने होमगार्ड शक्ति प्रताप ने बिना हेलमेट बाइक चला रहे लोगों को रोककर ऐसे सवाल किए कि वे मुस्कुराने के साथ अपनी गलती भी समझते नजर आए। वहीं चित्रगुप्त बने होमगार्ड शैलेश शर्मा रजिस्टर में उनका हिसाब–किताब लिखते दिखे। अभियान के दौरान हेलमेट पहनकर स्कूटी से पहुंची एक छात्रा को यमराज ने रोककर शाबाशी दी। बोले यह देश की बेटी है। इसे अपने सपने पूरे करने हैं, इसलिए यह यातायात नियमों का पालन कर रही है। उन्होंने दूसरे वाहन चालकों से भी छात्रा का अनुसरण करने की अपील की। इसी दौरान एक व्यक्ति पत्नी को बाइक पर बैठाकर बिना हेलमेट जा रहा था। यमराज ने उसकी पत्नी से कहा कि अगली बार हेलमेट पहने बिना बाइक लेकर निकलें तो उन्हें रोकें। जिद करें कि जब तक हेलमेट नहीं पहनेंगे, तब तक वह बाइक पर साथ नहीं बैठेंगी।



यमराज बने होमगार्ड ने लोगों से कहा कि सड़क हादसों में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़ने से यमलोक में भीड़ बढ़ गई है। इसी वजह से यातायात पुलिस की मदद के लिए उन्हें धरती पर आना पड़ा है। उन्होंने वाहन चालकों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई। कहा कि नियमों का पालन कराना केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है। हर नागरिक को खुद नियम मानने के साथ दूसरों को भी टोकना चाहिए। हेलमेट व सीटबेल्ट का इस्तेमाल हादसों में जान जाने का खतरा कम करता है। सभी लोग यातायात नियमों के प्रति संकल्पित होंगे तो सड़क हादसों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। कई वाहन चालकों ने कान पकड़ कर संकल्प लिया कि दोबारा यातायात नियमों का उलंघन नहीं करेंगे। नगर के सक्सेना चौराहा, माऊपाकड़, हनुमानगढ़ी, शिकारपुर व सिंदुरिया में अभियान चलाया गया। इस दौरान एआरटीओ मनोज कुमार सिंह, सीओ ट्रैफिक शशिमौली पांडेय, टीआई अरुणेंद्र प्रताप सिंह, कांस्टेबल संतोष कुमार, घनश्याम यादव, हेड कांस्टेबल लल्लन यादव, होमगार्ड रामनयन यादव आदि मौजूद रहे।

दीप शुगर इंडस्ट्रीज का पेराई सत्र शुरू



संवाददाता–बहराइच। मोतीपुर थाना क्षेत्र के दूधाधारी गांव में दीप शुगर इंडस्ट्रीज एलएलपी का 2026–27 का पेराई सत्र शुरू हो गया। जनप्रतिनिधियों ने फीता काटकर मिल का उद्घाटन किया। इसके बाद गन्ने की तौल शुरू कराई गई। कार्यक्रम की शुरुआत हवन–पूजन और वैदिक मंत्रोच्चार से हुई। इसमें किसान, जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोग शामिल हुए। हवन के दौरान क्षेत्र की खुशहाली और किसानों की समृद्धि की कामना की गई।

कार्यक्रम में पूर्व ब्लॉक प्रमुख बलहा जयकार सिंह, ग्राम प्रधान शिवरतन गौतम और पूर्व ब्लॉक प्रमुख मिहींपुरवा अयोध्या सिंह मौजूद रहे। मोहन गोयल, शांतनु सोनी और परमेश जायसवाल भी शामिल हुए। बैलगाड़ियों से गन्ना लेकर पहुंचे किसानों का स्वागत किया गया। किसानों को मिठाई खिलाई गई और फूल–मालाएं पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मानित किसानों में प्यार गौतम, बबलू सिंह, बलराम कश्यप, जिम्मेदार यादव और पन्नालाल शामिल रहे।

किसानों को उम्मीद है कि मिल शुरू होने से गन्ने की तौल और उसे मिल तक पहुंचाने में सुविधा होगी। उनका कहना है कि मिल का संचालन ठीक से हुआ तो स्थानीय रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं।

डीएम ने पीजी कालेज पहुंचकर विद्यार्थियों को मताधिकार के प्रति किया जागरूक

संवाददाता–महराजगंज। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत डीएम शिवशरणप्पा जीएन ने जवाहर लाल नेहरू पीजी कॉलेज महराजगंज में छात्र–छात्राओं के बीच पहुंचकर सीधा संवाद किया। विद्यार्थियों को मतदान के महत्व एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी के प्रति जागरूक किया। लोकतंत्र में मतदान की भूमिका, मताधिकार के महत्व तथा स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं निर्भीक मतदान के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। डीएम ने कहा कि मतदान केवल नागरिक का अधिकार ही नहीं, बल्कि एक महत्वपूर्ण लोकतांत्रिक दायित्व भी है। लोकतंत्र की मजबूती प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। जागरूक मतदाता अपने विवेक और स्वतंत्र विचारों के आधार पर योग्य जनप्रतिनिधि का चयन कर देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देता है।

इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक को अपने मताधिकार का अनिवार्य रूप से प्रयोग करना चाहिए। उन्होंने



विशेष रूप से युवा वर्ग और छात्र–छात्राओं का आह्वान किया कि वे मतदाता जागरूकता अभियान के सक्रिय सहभागी बनें तथा अपने परिवार, रिश्तेदारों, पड़ोसियों और आसपास के लोगों को भी मतदान के प्रति जागरूक करें। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति प्रत्येक नागरिक के मत में निहित है। मतदान करते समय किसी भी प्रकार के प्रलोभन, दबाव अथवा भय से प्रभावित हुए बिना स्वतंत्र एवं निष्पक्ष निर्णय लेना चाहिए।उन्होंने बताया कि ऐसे सभी युवा जो 1 जनवरी 2027 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर रहे हैं, वे मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए आवेदन अवश्य करें। साथ ही, अन्य पात्र नागरिकों को भी मतदाता बनने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि प्रत्येक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) के पास पर्याप्त संख्या में फॉर्म–6 उपलब्ध हैं। इच्छुक पात्र नागरिक फॉर्म–6 भरकर मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन कर सकते हैं। इस अवसर पर जॉइंट मजिस्ट्रेट सदर ने भी छात्र–छात्राओं से लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने तथा शत–प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करने की अपील की। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय मिश्रा ने डीएम का स्वागत किया।

छठ पर्व पर रोडवेज की इनकम रोजाना 30 से 35 लाख तक पहुंची

संवाददाता–देवरिया। शुक्रवार को भी रोडवेज परिसर में यात्रियों की भीड़ लगी रही। बसों में सीट पाने के लिए लोगों को इंतजार करना पड़ा। यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए लोकल रूटों पर बसों के फेरे बढ़ाए गए हैं। दीपावली और छठ मनाने के लिए पूर्वांचल और बिहार के अलग–अलग शहरों से लोग अपने घर आए थे। त्योहार खत्म होने के बाद अब वे नौकरी और कामकाज के सिलसिले में वापस लौट रहे हैं।

त्योहार के बाद ट्रेनों में भी यात्रियों की संख्या बढ़ गई है। बिहार से आने वाली आम्रपाली, वैशाली और जनसेवा एक्सप्रेस समेत कई ट्रेनों में सीटें फुल हैं। जगह नहीं मिलने के कारण यात्रियों को खड़े होकर सफर करना पड़ रहा है। ट्रेनों में भीड़ के चलते कई यात्री बसों से अपने गंतव्य की ओर जा रहे हैं। यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रोडवेज परिसर में कोतवाली पुलिस ने गश्त बढ़ा दी है। वहीं रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए आरपीएफ और जीआरपी के जवान तैनात किए गए हैं। एआरएम पारस ने बताया कि छठ के दौरान लंबी दूरी के मार्गों पर अतिरिक्त बसें लगाई गई थीं। यात्रियों की संख्या बढ़ने के कारण बसों के फेरे भी बढ़ाए गए। इससे रोडवेज की आय में इजाफा हुआ है।



एसडीएम ने ईवीएम डेमोंस्ट्रेशन सेंटर का फीता काटकर किया उद्घाटन



संवाददाता–कुशीनगर। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश पर बने इस सेंटर में मतदाताओं और आम लोगों को ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली की जानकारी दी जाएगी।

उद्घाटन के बाद एसडीएम ने सेंटर का निरीक्षण किया और वहां की व्यवस्थाएं देखीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान के लिए लोगों को मतदान प्रक्रिया की सही जानकारी होना जरूरी है। सेंटर पर आने वाले लोगों की जिज्ञासाओं और सवालों का संतोषजनक जवाब दिया जाए। एसडीएम ने निर्देश दिया कि सेंटर पर आने वाले हर व्यक्ति का विवरण रजिस्टर में दर्ज किया जाए। उन्होंने अधिक से अधिक मतदाताओं और आम लोगों को जागरूक करने को भी कहा।

मयंक त्रिपाठी ने कहा कि सेंटर से लोगों को ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली करीब से समझने का मौका मिलेगा। इससे मतदान प्रक्रिया के बारे में जागरूकता बढ़ेगी और मतदाताओं का भरोसा मजबूत होगा।

1310 आंगनबाड़ी केंद्र बनेंगे स्मार्टः खेल और रचनात्मकता से गढ़ी जाएगी शिक्षा की नींव

संवाददाता–गोण्डा। प्रत्येक वर्ष 20 नवंबर को विश्व बाल दिवस मनाया जाता है। नन्हे हाथों में खिलौने होंगे, आंखों में सपने और खेल–खेल में सीखने की नई उमंग... बचपन की इसी कल्पना को हकीकत में बदलने की तैयारी है। अब आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का दिन केवल अक्षर पहचानने और पोषाहार पाने तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि खेल, गतिविधियों और रचनात्मकता के बीच उनकी प्रतिभा को आकार दिया जा रहा है। जिले में नौनिहालों के लिए तैयार हो रहा यह नया शैक्षिक वातावरण उनके सुनहरे भविष्य की उम्मीद जगाता है।

जिले के 1310 परिषदीय विद्यालय परिसरों में को–लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्र संचालित हैं। इनमें पंजीकृत करीब 50 हजार बच्चों को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने की योजना है। पहले चरण में 617 केंद्रों पर चाइल्ड फ्रेंडली फर्नीचर उपलब्ध कराया जाएगा। रंग–बिरंगी और बच्चों



की उम्र के अनुरूप कुर्सियां व मेज उनके लिए पढ़ाई को सहज और आनंददायक बनाएंगी। वहीं, 317 केंद्रों पर आउटडोर प्ले की सुविधा विकसित की जा चुकी है।

यहां खेलकूद और शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक विकास को गति मिलेगी। पहले चरण के बाद दूसरे चरण में 729 अन्य केंद्रों पर भी बच्चों के अनुकूल फर्नीचर और आउटडोर प्ले जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराने का प्रस्ताव है। इसके साथ ही नौनिहालों को स्टेशनरी और शिक्षण सामग्री भी दी जा रही है। मकसद आंगनबाड़ी केंद्रों को ऐसी पहली पाठशाला बनाना है, जहां किताबी ज्ञान के साथ कल्पनाशीलता, संवाद और सामाजिक व्यवहार की भी पाठशाला चले।

जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अमित कुमार सिंह ने कहा कि बचपन में खेल केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सीखने और व्यक्तित्व गढ़ने का माध्यम है। खुशनुमा माहौल में बच्चे बिना दबाव के नई चीजें सीख सकेंगे। इससे उनमें विद्यालय के प्रति आकर्षण बढ़ेगा और प्राथमिक कक्षा में प्रवेश से पहले ही शिक्षा की मजबूत नींव तैयार होगी।

सीएम योगी का बड़ा एलानः हर जरूरतमंद का बनेगा आयुष्मान कार्ड, 150 लोगों की सुनी समस्या



संवाददाता—गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार सुबह गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने लोगों के प्रार्थना पत्र खुद अपने हाथ में लेकर उनका अवलोकन किया और उनकी शिकायतों–समस्याओं का संज्ञान लिया। जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए आर्थिक सहायता मांगने वाले लोगों को मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार उपचार में पूरी मदद करेगी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाए, ताकि बीमारी की स्थिति में निर्बाध उपचार सुनिश्चित हो सके। आयुष्मान कार्ड बनने के बाद भी अगर जरूरत पड़ी तो विवेकाधीन कोष से सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी।

सीएम योगी ने मौके पर मौजूद प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी मामलों का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतुष्टिप्रद होना चाहिए। जमीन कब्जा करने से जुड़ी शिकायतों पर उन्होंने सख्ती बरतने और विधि–सम्मत कार्रवाई सुनिश्चित करने के आदेश दिए।

जनता दर्शन से पहले मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर की गोशाला में गोसेवा की। उन्होंने गोवंश को अपने हाथ से रोटी और गुड़ खिलाया तथा उन पर स्नेह बरसाया। भोलू नाम के बछड़े और छुटकी नाम की बछिया को आवाज देकर अपने पास बुलाया और उन्हें खूब दुलारा। गोवंश सीएम के सान्निध्य में भावुक होकर उनके और निकट आने लगे, जिस पर योगी ने प्यार से कहा– "अपनी जगह पर ही रहो, नहीं तो चोट लग जाएगी। सीएम योगी ने लोगों से कहा कि वे चिंता न करें, सरकार उनके साथ खड़ी है। उन्होंने अलग–अलग मामलों के निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को प्रार्थना पत्र सौंपे और त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /2026

क0 वाद सं0– T2026171403131331

धारा 116 उ0प्र0ठा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान प्रथम अति0 उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती

वृन्दावन

बनाम

शिवमूरत आदि

बावत ग्राम दुबौली खुर्द तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

1. शिवमूरत 2. रामसुमेर पुत्रगण घुरहू 3. कंचन पुत्री राजकुमार (नाबालिग) संरक्षक सत्यभामा 4. प्रभा पुत्री राजकुमार (नाबालिग) संरक्षक सत्यभामा 5. रंजीत पुत्र राजकुमार (नाबालिग) संरक्षक सत्यभामा 6. रतनदीप पुत्र राज कुमार 7. सत्यभामा पत्नी राजकुमार 8. जितेन्द्र पुत्र विश्वनाथ 9. धर्मेन्द्र पुत्र विश्वनाथ 10. प्रहलाद पुत्र बीपत 11. रामराज पुत्र बीपत 12. राजेन्द्र 13. महेन्द्र पुत्रगण मुन्नीलाल 14. रामसुरेश 15. सुरेन्द्र पुत्रगण हुबलाल निवासीगण मौजा दुबौली खुर्द तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 16. राधिका देवी पत्नी राजेश्वरी निवासी ग्राम अकेला तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 17. विमला पत्नी विश्वनाथ 18. संचित पुत्र संजय निवासीगण मौजा दुबौली खुर्द तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती हाल मुकाम निवासी ग्राम भोगीपुर तप्पा बनकट तहसील धनघटा जिला संतकबीरनगर

–प्रतिवादीगण प्रथम वर्ग

19. ग्राम पंचायत दुबौली खुर्द जरिए ग्राम प्रधान अध्यक्ष ग्राम पंचायत दुबौली खुर्द तप्पा मथौली परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–प्रतिवादी द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 27–11–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 27 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 20 माह 11 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

ई–रिक्शा चालक की मौत के बाद ग्रामीणों ने जाम लगाया

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जैतपुर थाना क्षेत्र के रेहता खुर्द गांव के ई–रिक्शा चालक अशोक मौर्य (53) की सड़क हादसे में घायल होने के बाद इलाज के दौरान मौत हो गई। अशोक मौर्य पुत्र रामरतन मौर्य बुधवार को तिघरा बाजार के पास करीब 4:30 बजे सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुए थे। उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वह ई–रिक्शा चलाकर परिवार का भरण–पोषण करते थे।

हादसा करने वाले वाहन का नंबर यूपी 62 एएच 9575 बताया जा रहा है। वाहन की नंबर प्लेट टूटकर घटनास्थल पर गिर गई थी।

गुरुवार रात पोस्टमार्टम के बाद अशोक का शव गांव पहुंचा। उनके चार बच्चे हैं–अभिषेक (16), आनंद (14), अभिनव (12) और प्रियांशी (8)। उनकी मां की पहले ही मौत हो चुकी है।

शुक्रवार सुबह जाम लगाने वाले ग्रामीणों ने हादसा करने वाले वाहन के चालक की गिरफ्तारी और बच्चों की पढ़ाई–लिखाई व भरण–पोषण के लिए मुआवजे की मांग की। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की।

समाजसेवी रमेश मौर्य, अपनी जनता पार्टी के प्रदेश महासचिव रजनीश मौर्य और अमित मौर्य ने परिवार को आर्थिक मदद दिलाने की मांग की। रमेश मौर्य ने ग्रामीणों को समझाया और प्रशासनिक अधिकारियों से मुआवजे के लिए बातचीत की। इसके बाद जाम खत्म हुआ। पुलिस ने कहा कि मामले में नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)

वाद सं0– /2026

धारा 116 उ0प्र0ठा0सं0–2006

अदालत– श्रीमान प्रथम अति0 उप जिलाधिकारी महोदय बस्ती जिला बस्ती

रामनिहोर

बनाम

हरिद्वारा आदि

बावत ग्राम भैरोपुर तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

1. हरिद्वारा पुत्र खेलई 2. मनोज 3. अनीत पुत्रगण वीरेन्द्र कुमार 4. आशा विधवा विरेन्द्र कुमार 5. रजवन्त 6. चन्द्रिका 7. विनोद कुमार 8. सुभाष चन्द्र पुत्रगण पारसनाथ 9. लालबाबू पुत्र बहरैची 10. कन्हैया पुत्र खदेरू 11. प्रभावती पत्नी शिव बालक 12. ज्ञानदेई पत्नी बुधिराम साकिनान मौजा हरनखा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 13. प्रवीण 14. धीरेन्द्र 15. सतेन्द्र पुत्रगण प्रभाकर 16. निर्मला बेवा प्रभाकर साकिनान मौजा भैरोपुर तप्पा हवेली परगना नगर पूरब हाल मुकाम पिपरा चन्द्रपती तप्पा कडर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 17. राधेश्याम पुत्र विश्राम साकिन हरनखा तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 18. नगर पंचायत जरिए चेरयमैन नगर पंचायत नगर बाजार तप्पा हवेली परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–12–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 08 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 20 माह 12 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

बार एसोसिएशन चुनावः मुबीन अध्यक्ष राणा रविन्द्र सिंह महामंत्री चुने गए



संवाददाता–सिद्धार्थनगर। जनपद बार एसोसिएशन के चुनाव में शुक्रवार को देर शाम आए परिणाम में मो. मुबीन अध्यक्ष और राणा रविन्द्र सिंह महामंत्री चुने गए। रामकरण वरिष्ठ उपाध्यक्ष और रोहित त्रिपाठी कनिष्ठ उपाध्यक्ष चुने गए। चार पदों के लिए 12 प्रत्याशी मैदान में थे। उपाध्यक्ष के एक पद, संयुक्त मंत्री प्रशासन और कोषाध्यक्ष पद पर प्रत्याशी पहले ही निर्विरोध चुने जा चुके थे। कुल 343 मतदाताओं में से 303 ने वोट डाले। चुनाव अधिकारी सुनील चौधरी ने बताया कि मतदान सुबह 9 बजे शुरू हुआ और दोपहर 3:30 बजे तक चला। इसके बाद मतों की गिनती शुरू हुई। अध्यक्ष पद पर पांच प्रत्याशी थे। मो. मुबीन ने सुनील कुमार पाण्डेय को 12 मतों से हराया। मो. मुबीन को 88 और सुनील कुमार पाण्डेय को 76 मत मिले। शशि कुमार ओझा को 67, राकेश सिंह को 49 और दिनेश चंद्र राय को 22 मत मिले। एक मत अमान्य रहा।

महामंत्री पद के मुकाबले में राणा रविन्द्र सिंह ने सुधीर कुमार श्रीवास्तव को पांच मतों से हराया। राणा रविन्द्र सिंह को 109, सुधीर कुमार श्रीवास्तव को 104 और हरिश्चन्द्र यादव को 87 मत मिले। तीन मत अमान्य रहे।

वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रामकरण ने ओमप्रकाश पाण्डेय को तीन मतों से हराया। रामकरण को 152 और ओमप्रकाश पाण्डेय को 149 मत मिले। दो मत अमान्य रहे। कनिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर रोहित त्रिपाठी ने आकाश साहनी को 15 मतों से हराया। रोहित त्रिपाठी को 158 और आकाश साहनी को 143 मत मिले। तीन मत अमान्य रहे। उन्होंने बताया कि उपाध्यक्ष के एक पद पर रामसागर यादव निर्विरोध निर्वाचित हुए हैं। इसके अलावा संयुक्त मंत्री प्रशासन पर अतुल कुशवाहा और कोषाध्यक्ष पद पर नशरीन बानो निर्विरोध निर्वाचित हुई हैं।

चुनाव संपन्न कराने में एल्डर्स कमेटी के सदस्य कृष्ण मोहन मिश्रा, प्रमोद यादव, रामललित, जुम्मन खान, कोमल चौधरी और सहायक के रूप में बालकेश चौधरी (मुंशी) व संजय पांडेय (मुंशी) ने सहयोग किया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र में नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने शुक्रवार को वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उसे चिल्हिया रेलवे स्टेशन तिराहे से पकड़ा। कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे न्यायालय भेज दिया गया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी जोगिया उदयपुर थाना क्षेत्र के सजनी हर्रया गांव का रहने वाला है। इस मामले में एक महिला ने चिल्हिया थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि 12 नवंबर की रात करीब 10 बजे उसकी बेटी घर पर थी। इसी दौरान सजनी गांव का एक व्यक्ति उसे बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। महिला ने पुलिस से कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के आधार पर 18 नवंबर 2026 को चिल्हिया थाने में केस दर्ज किया गया था। इसके बाद से पुलिस आरोपी की तलाश कर रही थी। शुक्रवार को उसे चिल्हिया रेलवे स्टेशन तिराहे से गिरफ्तार कर लिया गया।

अदालती नोटिस

वाद की खारिजी को अपास्त किये जाने के आदेश को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन की सूचना

(आदेश 9, नियम 9, (2) व्य0 प्र0 संहिता 1908)

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) नौगढ़ जिला–सिद्धार्थनगर

प्रकीर्णवाद सं0–82/2025

मृतक रामसूरत लाल आदि

बनाम

प्रेमशीला आदि

1. प्रेमशीला उम्र करीब 46 वर्ष पत्नी तिलकराम 2. मधुरश्याम उम्र करीब 60 वर्ष पुत्र अशर्फी 3. ओम प्रकाश उम्र करीब 50 वर्ष 4. अखिलेश उम्र करीब 50 वर्ष 5. कमलेश उम्र करीब 40 वर्ष पुत्रगण रामजीत 6. घनश्याम श्रीवास्तव उम्र करीब 66 वर्ष 7. मधुरश्याम श्रीवास्तव उम्र करीब 64 वर्ष 8. मुरली श्याम श्रीवास्तव उम्र करीब 60 वर्ष 9. मनोहर श्याम श्रीवास्तव उम्र करीब 57 वर्ष पुत्रगण शोहवत लाल समस्त निवासीगण ग्राम वसहिया तप्पा खजहनी परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर 10. श्रीमती अरूणा श्रीवास्तव उम्र करीब 60 साल पत्नी स्व0 रवि प्रताप सिंह ग्राम व पोस्ट नन्दनगर तप्पा सिकन्दरपुर तहसील हर्रैया जिला बस्ती –विपक्षीगण/प्रतिवादीगण

तारीख पेशी 02–01–2027

चूंकि पूर्वोक्त वादी (गण) आवेदक (गण) ने इस न्यायालय में एक आवेदन उपरिनामांकित वाद की खारजी अपास्त करने के आदेश की अभिप्राप्ति के लिये इस न्यायालय के निर्देशानुसार सन 2027 मास के 01 दिवस 02 को दिवस को पेश किया है। अत एव आपको सूचना दी जाती है कि इस न्यायालय में 2018 के 01 के 05 दिवस को स्वयं या इस न्यायालय के अधिवक्ता या सम्यकरूपेण अधिकृत मुख्तार द्वारा जो इस बात के तथ्यों की जानकारी रखता हो उप संजात होकर हेतु (यदि कोई हो) सन्दर्शित करें कि उपरिनामांकित का आवेदन क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज 20 के के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 व्या10प्र0 संहिता 1908)

मूलवाद सं0–362/2024

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर

मालती आदि

बनाम

राजेन्द्र आदि

1. मालती पत्नी राम प्रसाद 2. ओमकार 3. शिवम 4. आकार पुत्रगण राम प्रसाद 5. निरंकार 6. उमाशंकर पुत्रगण राम प्रसाद नावालिगान संरक्षिका माता मालती साकिनान मौजा पचमोहनी तप्पा कुदरान परगना परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर 7. रजिन्द्र उर्फ योगेन्द्र पुत्र विन्देश्वरी साकिन मौजा पचमोहनी तप्पा कुदरान परगना बांसी नरसिम्हा यादव ने पदाधिकारियों के साथ आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। बैठक में संगठन की सक्रियता बढ़ाने, नए युवाओं को जोड़ने और जनहित के मुद्दों पर अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में पूर्व मंत्री सदल प्रसाद, प्रदेश महासचिव चंद्रप्रकाश राय, महेंद्र मोहन उर्फ गुड्डू तिवारी, अनुराग पांडेय, योगेश प्रताप सिंह, विश्व्यात भट्ट, आलोक सिंह, अभिजीत पाठक, सोनू चौहान, अजीत मिश्रा, विजयपाल यादव, भोलू यादव, नवीन कनौजिया, अंकित पांडेय, रघुराज प्रताप सिंह, शिवम चतुर्वेदी, आदियांश गांधी, प्रिंस भट्ट, अमित कनौजिया, सत्यम सिंह और अनुज मिश्रा समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज बस्ती (जू0, डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्ण वाद संख्या– 220/2026

दुनमुना–सायल

1. दुनमुना उम्र करीब 46 वर्ष पत्नी सत्यनरायन साकिन छौनी तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 08–12–2026

दरख्वास्त मुसम्मा

वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजराती है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 08–12–2026 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

हर साल दिये जलाने के रिकॉर्ड के साथ यूपी में बेरोजगारी का भी रिकॉर्ड बनता है –आकाश आनंद



संवाददाता–अयोध्या। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। पार्टी ने संगठन को सक्रिय करने और जनसभाओं के जरिए अपना राजनीतिक आधार मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय संयोजक आकाश आनंद शुक्रवार को अयोध्या के बीकापुर पहुंचे। यहां उन्होंने कार्यकर्ताओं के साथ बात करके माहौल को समझा। साथ ही जनसभा को संबोधित किया।

आकाश आनंद ने जनसभा को संबोधित करते हुए कि अन्य दलों के लोग सबका साथ का नारा लगाते हैं लेकिन मायावती जी सभी जातियों के लोगों को मंच पर जगह देती हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से मायावती को पांचवी बार मुख्यमंत्री बनाने का संकल्प करवाया। उन्होंने भाजपा पर हमलावर होते हुए कहा कि मैं लोगों के पास जाता हूं पूछता हूं कि भाजपा की 10 साल की सरकार में आपको क्या मिला? तो कहते हैं कि काम तो पता नहीं लेकिन प्रचार खूब होता है। खुद की तारीफ करवाने के लिए तो करोड़ों खर्च किए जाते हैं पर गरीबों को इलाज नहीं मिलता है। पेपर लीक होता रहता है। अयोध्या में हर दिवाली पर हर बार दिये जलाने का रिकॉर्ड बनता है पर साथ ही बेरोजगारी का रिकॉर्ड भी प्रदेश में बन रहा है।

आकाश आनंद ने कहा कि यूपी में बीते 10 साल में 25,000 स्कूल बंद कर दिए हैं। इससे गरीब बेटियों को शिक्षा नहीं मिल रही है। प्रदेश में शिक्षकों के एक लाख 40,000 पद खाली पड़े हैं पर भर्तियां नहीं हो रही हैं। भाजपा को अपने पैरों पर खड़ा होने वाला नागरिक नहीं चाहिए बल्कि अंधभक्त चाहिए। भाजपा का यही कहना है कि रोजगार मत दो, शिक्षा मत दो। बीते 10 साल में यूपी में सिर्फ एक ही चीज खुली है वो है शराब के ठेके। उन्होंने जनता से अपील की कि ऐसी सरकार को हटा दीजिए। मायावती को पांचवी बार मुख्यमंत्री बनाइये, सुशासन लाइए। भाजपा की सरकार में सड़क बनती है और फीता कटने के साथ ही बह जाती है।

आकाश आनंद ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी बाबा साहेब का नाम तो लेते पर यही कांग्रेस थी जिसने उन्हें नेहरू सरकार में मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। कांग्रेस ने सत्ता में रहने के बावजूद लंबे समय तक बाबासाहेब को भारत रत्न नहीं दिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अब भी नहीं बदली है। इनकी सोच अब भी नहीं बदली। इसी तरह सपा ने 2024 में अयोध्या जी जनता से वोट तो ले लिया लेकिन किया कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा–कांग्रेस एक ही सिक्के के दो पहलू हैं।

आकाश आनंद ने सपा पर हमलावर होते हुए कहा कि अखिलेश यादव करना क्या चाहते हैं ये मुझे समझ में नहीं आता है। वो पीडीए की बात करते हैं। ये पी कभी पंडित हो जाता है कभी पिछड़ा। चुनाव आते आते यही पी पता नहीं हो जाएगा। सपा के वरिष्ठ नेता रामगोपाल दलित सम्मेलन में दलितों को बुलाकर उन्हें मूर्ख कहकर अपमानित करते हैं। इससे आखिर उनके दिल की बात जबान पर आ ही गई। सपा के लोगों ने ही प्रमोशन में आरक्षण का विरोध किया था।

युवा कांग्रेस संगठन विस्तार की बनी रणनीति



संवाददाता–गोरखपुर। युवा कांग्रेस को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और संगठन का विस्तार करने की रणनीति तैयार की गई। शुक्रवार को चारुचंद्रपुरी स्थित कांग्रेस कार्यालय में जिलाध्यक्ष सूरज यादव की अध्यक्षता में हुई बैठक में राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रभारी नरसिम्हा यादव ने पदाधिकारियों के साथ आगामी कार्यक्रमों पर चर्चा की। बैठक में संगठन की सक्रियता बढ़ाने, नए युवाओं को जोड़ने और जनहित के मुद्दों पर अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक में पूर्व मंत्री सदल प्रसाद, प्रदेश महासचिव चंद्रप्रकाश राय, महेंद्र मोहन उर्फ गुड्डू तिवारी, अनुराग पांडेय, योगेश प्रताप सिंह, विश्व्यात भट्ट, आलोक सिंह, अभिजीत पाठक, सोनू चौहान, अजीत मिश्रा, विजयपाल यादव, भोलू यादव, नवीन कनौजिया, अंकित पांडेय, रघुराज प्रताप सिंह, शिवम चतुर्वेदी, आदियांश गांधी, प्रिंस भट्ट, अमित कनौजिया, सत्यम सिंह और अनुज मिश्रा समेत अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में महाविद्यालय के शिक्षक का फंदे पर लटकता मिला शव

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कोतवाली टांडा क्षेत्र के ग्राम मसड़ा में स्थित एक महाविद्यालय के एक शिक्षक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके कमरे में फंदे से लटकता मिला। पुलिस ने शव को उत्तरवाकर पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कालेज भेज दिया ।जनपद की फोरेंसिक टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य संकलित किया। जनपद के जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के ग्राम केतरिया रामबाग निवासी सुशील कुमार मौर्य (44 वर्ष) पुत्र चंद्रमान मौर्य कोतवाली टांडा क्षेत्र के ग्राम भसड़ा स्थित मां तिलोसरा देवी महाविद्यालय में अध्यापन कार्य करते थे। वे छात्र–छात्राओं को भूगोल पढ़ते थे और महाविद्यालय में ही प्रिंसिपल चेंबर के बगल स्थित कमरे में निवास करते थे।

शुक्रवार को सुबह लगभग 10रू00 बजे तक जब विद्यालय का गेट नहीं खुला तो विद्यालय के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शिवपूजन पुत्र मोतीलाल निवासी ग्राम आसोपुर थाना अलीगंज समेत महाविद्यालय के अन्य अध्यापकों द्वारा उनके मोबाइल फोन पर फोन किया गया लेकिन जवाब न मिलने पर शिक्षकों द्वारा डायल 112 पुलिस बुलाई गई और गेट का ताला तोड़ते हुए उनके आवास पर पहुंची तो उनका आवास अंदर से बंद था किसी तरह पुलिस जब ताला तोड़कर दरवाजा तोड़कर अंदर घुसी तो हतप्रभ रह गई क्योंकि सुशील कुमार मौर्य अपने कमरे में लगे पंखे से लटक रहे थे सूचना पर कोतवाल टांडा दीपक सिंह रघुवंशी अपने हमराहियों के साथ पहुंचे और घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दी गई जिस पर जनपद की फोरेंसिक टीम घटनास्थल पहुंची और साक्ष्य संकलित किया । कोतवाली टांडा के उपनिरीक्षक अजीत कुमार चौधरी व अर्जुन कुमार ने शव का पंचायत नामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेज दिया । कोतवाली टांडा पुलिस को मृतक के कमरे की तलाशी में 4 एंड्रॉयड फोन बरामद हुए ।पुलिस द्वारा परिजनों को सूचित किया गया ।मृतक अपने पीछे अपनी पत्नी संध्या देवी दो बच्चे अनुराग उर्फ लकी 18 वर्ष तथा आर्यन उर्फ राज 12 वर्ष छोड़ गया है परिजनों का रो–रो कर बुरा हाल है ।महाविद्यालय के आसपास के लोगों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि मास्टर साहब रसिया टाइप के थे कोतवाल टांडा दीपक सिंह रघुवंशी ने बताया कि मृतक की हत्या का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट व मृतक के कमरे से मिले चारो एंड्रॉयड फोनों से होगा।

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) एफ0टी0सी0 महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–343/2019

गनेशी

बनाम

रामऔतार आदि

1. ग्राम सभा सराय तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. भूमि प्रबन्धक समिति जरिए अध्यक्ष ग्राम सभा सराय तप्पा दुबखरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 3. सरकार उ0प्र0 द्वारा जिलाधिकारी बस्ती

तारीख पेशी 09–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 09 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा। बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

ट्रेलर की चपेट में आने से बच्चे की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। बेलहर थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के पास शुक्रवार शाम ट्रेलर की चपेट में आने से सात साल के बच्चे की मौत हो गई। बच्चा अपने माता–पिता के साथ टेंपू से उतर रहा था। पुलिस ने ट्रेलर जब्त कर जांच शुरू कर दी है।

पड़रिया निवासी राकेश का बेटा मगेश शुक्रवार शाम करीब 4 बजे माता–पिता के साथ नंदौर से घर लौट रहा था। गांव के पास टेंपू से उतरते समय सामने से आ रहे ट्रेलर ने उसे टक्कर मार दी। मगेश की मौके पर ही मौत हो गई।

सूचना मिलने पर बेलहर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा और ट्रेलर जब्त कर लिया। मगेश एक भाई और दो बहनों में सबसे छोटा था। थाना प्रभारी सर्वेश कुमार ने बताया कि वाहन को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल शुरू हो गया

झंगहा में सांड के हमले में बुजुर्ग की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। झंगहा थानाक्षेत्र के ग्राम पंचायत जंगल रसुलपुर नंबर दो के बलुहट्टा निवासी 60 वर्षीय तूफानी निषाद को सुबह शौच करते समय सांड ने हमला करके ने गम्भीर रूप से घायल कर दिया। परिजन उपचार के लिए उन्हें प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ब्रह्मपुर लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख एम्स रेफर कर दिया। रास्ते में ही उनकी मौत हो गई। सूचना पर झंगहा पुलिस पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है तूफानी निषाद सुबह घर के बगल खेत में शौच कर रहे थे। इसी बीच मनबढ़ सांड ने उनके सिर व पेट पर हमला करके गम्भीर रूप से घायल कर दिया ।शोर सुनकर परिजन मौके पर पहुंचे। घर पर मृतक की पत्नी चम्पा देवी उनके तीन बच्चे राम शब्द, शम्भू व धर्मेन्द्र का रो रोकर बुरा हाल था। क्षेत्र में इस समय छुट्टा मनबढ़ सांड का आतंक है। सांड गांवों में झुण्ड के साथ घूम रहे हैं। ग्रामीणों पर हमला भी कर रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन से सांड को पकड़वाने की मांग किया है। कुछ दिन पूर्व झंगहा के एक सांड ने उत्पात मचाया था। कई लोगों को घायल किया था। स्थानीय लोगों की मांग पर सांड को पशु चिकित्सको ने पकड़ कर गो संरक्षण केंद्र भेज दिया था।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया कम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्मुखी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, स्केटर एन्ड कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com

dainikbhartiyabasti@gmail.com